INS ACCREDITED
यूंनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-163 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 8 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

फूलों के बंगले में विराज रहे बिहारी, बरसा रहे कृपा

यूनिक समय, मथुरा। सावन के पावन महीने में वृंदावन के ठाकुर बांकेबिहारी फूलों के मनोहारी बंगलों में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। मंदिर परिसर में सुबह और शाम फूल बंगले सजाए जा रहे हैं। रंग-बिरंगे और सुगंधित फूलों से सजे बंगले श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। फूलों की खुशबू से पूरा परिसर महक उठता है, जिससे भक्ति का वातावरण और भी आनंदमय हो जाता है।

सावन में फूलों से सजा बिहारीजी का दरबार मनमोह रहे ठाकुरजी

फूलों की छांव में विराजे बिहारी, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

श्रीबांकेबिहारी मंदिर में इस वर्ष फूल बंगला महोत्सव का शुभारंभ 29 मार्च से हुआ है और यह 12 अगस्त तक चलेगा। अधिक मास के कारण इस बार फूल बंगला सजने की अवधि सामान्य से अधिक रही है। सावन के दौरान भी ठाकुरजी को फूलों से सजे बंगलों में विराजमान कराकर भक्तों को शीतलता और मनोहारी दर्शन का अनुभव कराया जा रहा है। फूल बंगला सजाने की परंपरा वृंदावन की भक्ति संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार ठाकुरजी के लिए फूल बंगला सजवाते हैं। सुबह और शाम अलग–अलग श्रद्धालुओं की ओर से बंगला सजाया जाता है। फूलों की सजावट में मौसम के अनुरूप उपलब्ध विभिन्न प्रजातियों और रंगों के सुगंधित फूलों का प्रयोग किया जाता है। इससे मंदिर का जगमोहन फूलों से सजे सुंदर कुंज जैसा दिखाई देता है।

फूल बंगला सजाने के लिए मंदिर प्रबंधन की ओर से शुल्क भी निर्धारित किया गया है। अप्रैल 2026 में हुई बैठक में इसे 1.51 लाख रुपये से घटाकर 1.01 लाख रुपये कर दिया गया था। साथ ही फूल बंगला सजाने वाले यजमान और उनके परिजनों को मंदिर खुलने से एक घंटे पहले सिंहासन पूजा की अनुमति भी दी गई।

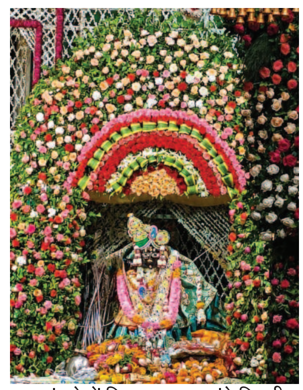
फूल बंगले में विराजमान ठा.बांकेबिहारी।

हरियाली तीज तक श्रद्धालुओं में रहेगा उत्साह

सावन के दौरान फूल बंगले की सजावट का आकर्षण और बढ़ गया है। हरियाली तीज 15 अगस्त को मनाई जाएगी, जबकि सावन 28 अगस्त तक रहेगा। ऐसे में हरियाली तीज के आसपास वृंदावन में श्रद्धालुओं की भीड़ और बढ़ने की उम्मीद है। फूलों के बीच विराजमान बांकेबिहारी के दर्शन के लिए देशभर से श्रद्धालु वृंदावन पहुंच रहे हैं। भक्तों का मानना है कि फूलों की शीतलता और सुगंध के बीच ठाकुरजी के दर्शन मन को विशेष आनंद और शांति प्रदान करते हैं।

मृतक के परिजन और ग्रामीणों ने पुलिस पर लगाया आरोप

मुख्य आरोपित को छोड़ने पर छाता थाने का घेराव

यूनिक समय, गोवर्धन। थाना क्षेत्र नीमगांव निवासी विपिन की हत्या के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के बावजूद कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए शनिवार को परिजनों और ग्रामीणों ने थाना छाता का घेराव किया। बड़ी संख्या में लोग थाने के बाहर जुटे और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस की ओर से पहचान कराए जाने के बाद ग्रामीणों ने आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया था, लेकिन मुख्य आरोपी को प्रभाव और पैसे के बल पर बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

परिजनों के अनुसार, चार अगस्त को नीमगांव निवासी विपिन घर से निकला था, लेकिन नहीं लौटा। तलाश के बाद परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। अगले दिन जंगल में उसकी बाइक मिली। सूचना पर डायल112 पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों के साथ जंगल में करीब डेढ़ किलोमीटर अंदर जाने पर विपिन का शव बरामद हुआ।

मृतक के चाचा ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कुछ लोगों की पहचान आरोपियों के रूप में बताई थी। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस की मौजूदगी में गांव का घेराव कर आरोपियों को पकड़ लिया और उन्हें पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

परिजनों का आरोप है कि मामले में नामजद मुख्य आरोपी मोनू को अब बचाने की कोशिश की जा रही है।

मुख्य आरोपित को छोड़ने पर छाता थाने का घेराव करते ग्रामीण।

मुख्य आरोपी को बचाने का आरोप आंदोलन की चेतावनी

परिजनों ने बताया कि मामले में काजल नाम की युवती ने भी मोनू के शामिल होने की बात कही है। उनका कहना है कि यदि सभी दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

घेराव कर रहे परिजनों ने थाना प्रभारी उमेश त्रिपाठी पर मामले में लीपापोती करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि मुख्य साजिशकर्ता को प्रभावशाली लोगों के दबाव में बचाया जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि न्याय नहीं मिलने पर पूरा गांव सड़क पर उतरकर जाम लगाएगा और आंदोलन किया जाएगा।

राधे, राजा, मम्मी और साजन चूड़ियां महिलाओं के हाथों में बिखरेंगी रौनक

यूनिक समय, वृंदावन। हरियाली तीज आने में अब एक सप्ताह का समय शेष है। हरियाली तीज पर सुहागिन महिलाओं के लिए श्रृंगार के सामान में हरी चूड़ियों का महत्व सबसे अधिक होता है। हालांकि चूड़ियों की कीमतों पर 10 से 20 प्रतिशत महंगाई का असर दिखाई दे रहा है। फिर भी सुहागिन महिलाओं के लिए हरी चूड़ियां खरीदना जरुरी है। इस बार भी बाजार में हरी चूड़ियों के नाम ऐसे हैं, जिनको सुनकर महिलाएं भी हैरान हैं। व्यापारी प्रेम किशोर, मानसिंह, गंगा चूड़ियों के नाम बताते हैं। राधे, पब्जी, सोनम, गुडलक, कामयाब, कयामत, फेवरिट, हंगामा, काजल, राजा, मम्मी, बदनाम, बुलेट ट्रेन, झंकार, साजन आदि हैं। इन नामों की चूड़ियां महिलाएं हाथों में पहनेंगी तो अपने पति को रिझाएंगी। हालांकि अभी चूड़ियों का बाजार ठंडा पड़ा है। तीज से एक या दो दिन पहले ही चूड़ियों की खरीदारी में दिलचस्पी दिखाई जाएगी। इसी तरह से हाथों पर लगाए जाने वाली मेंहदी के नाम दिखाई दे रहे हैं। किसी का नाम नेहा है तो किसी का नाम नीता आदि है। मेंहदी में भी कई तरह की वैरायटी बाजार में उपलब्ध है।

वृहद गो संरक्षण केंद्रों में भेजे जाएंगे संरक्षित गोवंशी

सौ से कम गोवंश वाली गोशाला होंगी बंद

यूनिक समय, मथुरा। जिले में संचालित अस्थाई गो आश्रय स्थल बंद किए जाएंगे। यह ऐसे गो आश्रय स्थल हैं, जहां सौ से कम संख्या में गोवंशी संरक्षित हैं। पशु पालन विभाग ने इस ओर काम करना शुरू कर दिया है। ऐसे कई अस्थाई गो आश्रय अब बंद हो चुके हैं। अस्थाई गो आश्रयों में संरक्षित गोवंशी को वृहद गो संरक्षण केंद्रों में भेजा जाएगा।

प्रदेश सरकार ने छोटी गोशालाओं को बंद कर गोवंशों को बड़ी गोशाला में शिफ्ट करने के आदेश जारी किए हैं। सरकार के जारी आदेश के अनुसार छोटी गोशालाओं को बंद कर बड़ी गोशाला में गोवंश को भेजा जाना है।

यह कार्रवाई जिले में होने लगी है। सरकार का उद्देश्य अस्थाई गो आश्रय स्थलों को बंद करके वृहद गो संरक्षण केंद्रों को संचालित कराने की है। इसके लिए जिले में सौ से कम संख्या वाले ऐसे कई अस्थाई गोआश्रय स्थल चिन्हित भी किए गए हैं। पशुपालन विभाग के अनुसार, जिले में अब तक पीलुआ, कौंह, झुड़ावई, जिरौली, पेंठा, बड़ौता, मुबारक पुर, रूपनगर आदि ग्राम पंचायतों में संचालित सौ से कम संख्या वाले अस्थाई गो आश्रय स्थल बंद भी किए जा चुके हैं, इनके अलावा और भी कई अस्थाई गो आश्रय स्थल बंद किए जाएंगे। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. एनएन शुक्ला ने बताया कि छोटी- छोटी गोशालाएं बंद की जा रही हैं, यहां संरक्षित सभी गोवंश दूसरी बड़ी गोशालाओं में भेजे जा रहे हैं। जिले में करीब 15 ऐसी छोटी गोशालाएं हैं, जो अस्थाई तौर पर संचालित हो रही थीं, यह बंद होंगी।

कई अस्थाई गोशालाएं अब तक हो चुकी हैं बंद

जानकारों का कहना है कि सरकार केवल वृहद गो संरक्षण केंद्रों को ही संचालित करने पर ध्यान देगी, इससे बड़े स्तर पर संरक्षित गोवंशी की देखभाल हो सकेगी।

भविष्य में ऐसे वृहद गो संरक्षण केंद्रों का संचालन एनजीओ के माध्यम से कराया जाएगा, जिससे अस्थाई गो आश्रय स्थलों में आए दिन होने वाली परेशानियों से राहत भी मिलेगी। जिले में कई बड़ी गोशालाएं अब तक एनजीओ को सौंपी जा चुकी हैं। पशुपालन विभाग

यमुना का जलस्तर बढ़ने से आरती स्थल जलमग्न

वृंदावन में जल स्तर बढ़ने से पानी में डूबा आरती स्थल।

बंगाली घाट पर यमुना का नजारा।

पानी बढ़ने से आरती हुई प्रभावित, आवाजाही बाधित

यूनिक समय, वृंदावन। यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण आरती घाट भी पानी में डूब गया है, जिसके चलते यहां होने वाली नियमित आरती फिलहाल प्रभावित हो गई है। घाट पर पानी भर जाने से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की आवाजाही भी बाधित हो रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कुछ समय से यमुना के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। पानी बढ़ने के साथ ही घाट की सीढ़ियां और आरती के लिए बनाया गया स्थान पूरी तरह जलमग्न हो गया है। ऐसे में आरती स्थल पर पहुंचना मुश्किल हो गया है, सुरक्षा को देखते हुए आरती रोक दी गई है।

घाट के जलमग्न होने से रोजाना यमुना आरती में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं में भी निराशा है। श्रद्धालुओं का कहना है कि यमुना के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन को घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ानी चाहिए। यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी का असर अब घाटों की गतिविधियों पर भी साफ दिखाई देने लगा है। आरती घाट के जलमग्न होने से धार्मिक आयोजन रुक गया है। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को उम्मीद है कि जलस्तर कम होने के बाद जल्द ही घाट की सफाई और व्यवस्था बहाल कर आरती दोबारा शुरू की जाएगी।

यमुना के जलस्तर लेबिल पर पल-पल रखी जा रही है निगरानी

यूनिक समय, मथुरा। जिले में यमुना नदी के जलस्तर पर सिंचाई विभाग लगातार नजर बनाए हुए है। शनिवार को यमुना का जलस्तर 163.66 मीटर दर्ज किया गया। अपस्ट्रीम में जलस्तर 163.60 मीटर और डाउनस्ट्रीम में 162.55 मीटर रहा। अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल यमुना का जलस्तर अपने लेविल के पास चल रहा है। स्थिति सामान्य बताई जा रहीं है।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष, सिंचाई विभाग के आंकड़ों के अनुसार, हथिनी कुंड बैराज से 15 हजार 459 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। वहीं, ओखला बैराज से 26 हजार 705 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की जानकारी है। गोकुल बैराज से शनिवार सुबह 20,074 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

सिंचाई विभाग के शिफ्ट इंचार्ज ने बताया कि यमुना का जलस्तर फिलहाल अपने लेविल के पास है। विभाग की टीम जलस्तर पर लगातार निगरानी रख रही है। अधिकारियों द्वारा हर स्तर पर पानी के बढ़ने और घटने की जानकारी ली जा रही है। उन्होंने कहा कि जलस्तर में किसी तरह की बढ़ोतरी होने पर तत्काल इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी जाएगी।

घंटों की देरी से चल रहीं हैं कई ट्रेनें

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनें इन दिनों देरी से चल रही हैं। ऐसे में यदि आप ट्रेन से यात्रा करने जा रहे हैं तो घर से निकलने से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी जरूर कर लें, ताकि स्टेशन पर घंटों इंतजार न करना पड़े। मिली जानकारी के अनुसार, उत्कल एक्सप्रेस अप अपने निर्धारित समय से करीब 2 घंटे 45 मिनट की देरी से चल रही है। वहीं उत्कल एक्सप्रेस डाउन करीब 7 घंटे 30 मिनट की देरी से मथुरा पहुंची। इसके अलावा हीराकुंड एक्सप्रेस भी करीब 5 घंटे की देरी से चल रही है। इसी तरह हमसफर एक्सप्रेस भी अपने निर्धारित समय से करीब 1 घंटे 30 मिनट देर से आई।

दस्तावेजों के अभाव में अटकी गैस कनेक्शन की ई-केवाईसी

दस्तावेज नहीं होने से उपभोक्ता लगा रहे एजेंसियों के चक्कर

घर बैठे ऐप और क्यूआर कोड से भी कर सकते हैं ई-केवाईसी

यूनिक समय, मथुरा। जिले में गैस कनेक्शन की ई-केवाईसी कराने के लिए, रोजाना सैकड़ों उपभोक्ता गैस एजेंसियों पर पहुंच रहे हैं। अधिकांश ग्राहकों की प्रक्रिया आसानी से पूरी हो रही है, लेकिन बैंक खाता, मृत्यु प्रमाण पत्र या पुराने गैस कनेक्शन से संबंधित दस्तावेज नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, नए गैस कनेक्शन के लिए पहुंचने वाले लोगों को भी फिलहाल कनेक्शन नहीं दिया जा रहा है। जिले में करीब 76 हजार उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी अभी बाकी है। उपभोक्ताओं को 15 अगस्त तक यह प्रक्रिया पूरी कराने के लिए कहा गया है। निर्धारित समय तक ई-केवाईसी नहीं कराने पर भविष्य में सिलेंडर रिफिल कराने के लिए व्यावसायिक दर चुकानी पड़ सकती है। जिले में बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जो दूसरे स्थानों से आकर नौकरी या निजी रोजगार कर रहे हैं। ऐसे उपभोक्ताओं के पुराने पते और दस्तावेजों को लेकर भी दिक्कत सामने आ रही है।

गैस एजेंसियां उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी कराने के लिए एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से संदेश भेज रही हैं। इसके अलावा स्पीड पोस्ट से भी सूचना दी जा रही है। एजेंसियों के अनुसार, स्पीड पोस्ट पर 23 से 50 रुपये तक खर्च हो रहे हैं। कई पत्र पुराने पते पर भेजे जाने के कारण वापस लौट रहे हैं। अब तक करीब 1.17 लाख उपभोक्ता ई-केवाईसी करा चुके हैं। जो ग्राहक एजेंसी तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, वे संबंधित गैस कंपनी के मोबाइल ऐप या क्यूआर कोड के जरिए घर बैठे प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इसके लिए जरूरी दस्तावेज अपलोड करने होंगे। सब्सिडी का लाभ लेने के लिए आधार आधारित बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण आवश्यक है। एजेंसी या गैस हॉकर के माध्यम से भी ई-केवाईसी कराई जा सकती है। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से यह प्रक्रिया निशुल्क है। गैस एजेंसी संचालक वीरेश कुमार ने बताया कि कनेक्शन स्थानांतरण के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक, एक फोटो और पुराने गैस कनेक्शन के कागजात जरूरी हैं।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का रामकृष्ण मिशन में स्वागत

कई कार्यक्रमों में भाग लेकर संतों से मुलाकात की

सिग्नेचर वृंदावन धाम आश्रम का किया उद्घाटन

रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम हॉस्पिटल में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को स्मृति चिन्ह भेंट करते सेवाश्रम के सचिव स्वामी सुप्रकाशानंद और अस्पताल प्रभारी स्वामी कालीकृष्णानंद आदि।

यूनिक समय, वृंदावन। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद तीन दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन शनिवार सुबह रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम हॉस्पिटल पहुंचे। अस्पताल पहुंचने पर सेवाश्रम के सचिव स्वामी सुप्रकाशानंद और अस्पताल प्रभारी स्वामी काली कृष्णानंद ने उनका स्वागत किया।

पूर्व राष्ट्रपति ने अस्पताल परिसर में स्थापित स्वामी विवेकानंद की आदमकद प्रतिमा पर वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य पुष्पांजलि अर्पित की। फिर वह रामकृष्ण मठ पहुंचे, जहां उन्होंने मंदिर में ठाकुरजी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। दर्शन के बाद उन्होंने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान लोकार्पण किए गए अस्पताल के शारदा ब्लॉक का सूक्ष्म अवलोकन किया और सेवाश्रम के संतों से मुलाकात की। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद रुकमणि विहार स्थित सिग्नेचर वृंदावन धाम आश्रम पहुंचे। यहां उन्होंने आश्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। उन्होंने आश्रम परिसर में संतों की उपस्थिति में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को लेकर सुरक्षा कड़ी थी। उनके काफिले के निकलने के दौरान यातायात कुछ देर के लिए रोक दिया गया।

पत्नी से अवैध संबंध बनाने के प्रयास में हुई थी विपिन की हत्या

यूनिक समय, छाता मथुरा। छाता पुलिस और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर बीपीटी छात्र विपिन की हत्या के मामले में दो अभियुक्तों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनसे दो तमंचे-कारतूस और स्विफ्ट कार भी बरामद की है। एक अभियुक्त मौके से भागने में कामयाब हो गया। पुलिस की गोली लगने से दोनों बदमाश घायल हो गए। भागे बदमाश की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

सीओ छाता ने बताया कि कोतवाली प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार त्रिपाठी पुलिस फोर्स के साथ बीती रात इलाके में चेकिंग कर रहे थे, पुलिस की सर्विलांस टीम भी साथ में थी। इसी दौरान सूचना मिली की बीपीटी की छात्र विपिन की हत्या करने वाले अभियुक्त कार से आ रहे हैं। इस पर पुलिस ने रनवारी के समीप चेकिंग शुरू कर दी। पुलिस ने स्विफ्ट कार को आते

मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल बदमाशों को ले जाती पुलिस।

देख कर रोकने का इशारा दिया। पुलिस को देख कर कार में बैठे बदमाश भागने लगे।

पुलिस ने रनवारी से करीब एक किलो मीटर पहले उन्हें घेर लिया। पुलिस पर बदमाशों ने गोलियां चलाई। पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में दो बदमाशों के पैर में गली लगी। एक बदमाश मौके से भाग गया।

पुलिस के अनुसार, घायल बदमाश विक्रम निवासी राधा पब्लिक स्कूल के सामने ब्लाक के पीछे गोवर्धन और अमन निवासी जाटव मौहल्ला राधाकुंड थाना गोवर्धन हैं, उनका तीसरा साथी तेजपाल उर्फ नहनू निवासी जाटव मौहल्ला राधाकुंड फरार हो गया। पुलिस के अनुसार अभियुक्तों के कब्जे से दो देशी तमंचे-कारतूस, खोखा कारतूसों के अलावा हत्या में प्रयुक्त की गई स्विफ्ट कार भी बरामद हुई है। घायल बदमाशों को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है।

छात्र विपिन की हत्या चार अगस्त को थाना जैंत के धौरेरा के जंगल में इन

बीपीटी छात्र हत्या मामले में दो अभियुक्त मुठभेड़ में गिरफ्तार

पुलिस की गोली लगने से घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती

मौके से भागे एक अभियुक्त की गिरफ्तारी के प्रयास जारी

देशी तमंचे- कारतूस और स्विफ्ट कार भी हुई बरामद

लोगों ने की थी। इसके बाद उसके शव को पुलिस ने कोठरे से बरामद किया था। विपिन उस दिन बाइक से कालेज गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा था। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि विपिन के विक्रम की पत्नी से शादी से पहले से संबंध थे। विपिन शादी के बाद भी उससे अवैध संबंध बनाने के लिए दबाव बना रहा था, इसके चलते उसकी हत्या की थी।

शव को दबाने और यमुना में फैंकने से भ्रमित है पुलिस

यूनिक समय, मथुरा। पत्नी, बेटी और बेटी के प्रेमी पर जयसिंहपुरा से लापता मनोज सोनी की भले ही हत्या करने का शक किया जा रहा है, लेकिन पुलिस अभी उनकी हत्या का मामला दर्ज नहीं कर रही है। वजह मनोज का शव न मिलना है। पुलिस यमुना के छह किलो मीटर से अधिक के इलाके में शव को तलाश कर चुकी है।

सूत्रों के मुताबिक, मनोज सोनी की हत्या के मामले में पुलिस हिरासत में पत्नी, बेटी और बेटी के प्रेमी द्वारा हत्या के बारे में अलग–अलग बयान दिए जाने के कारण पुलिस को शव तलाश करने में परेशानी हो रही है। एक कहता है कि शव को यमुना में फैंक दिया। दूसरा शव को अक्रूर के जंगल में गाढ़ दिए जाने की बात कह रहा है। पुलिस

पुलिस ने अभी नहीं किया मनोज की हत्या का मामला दर्ज

अक्रूर जंगल में यमुना किनारे शव को किया तलाश

इस मामले में किसी तरह की रिस्क नही लेना चाहती है। पुलिस इस मामले में पूरी सतर्कता के साथ छानबीन करके ही आगे की कार्रवाई करेगी। पुलिस अभी भी शव को तलाश करने में जुटी है। मनोज सोनी के परिवार के लोग उनकी पत्नी और बेटी पर तरह–तरह के आरोप लगा रहे हैं। पुलिस इस मामले में किसी भी ऐंगल को नजर अंदाज करने के मूड में नहीं है।

हनुमान मंदिर के कोठरे में लटका शव मिलने से फैली सनसनी

यूनिक समय, फरह। नेशनल हाइवे पर शनिवार सुबह फतिहा गांव के सामने स्थित हनुमान मंदिर की कोठरी में अज्ञात व्यक्ति का फांसी पर लटका शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी छोटेलाल, टोल चौकी इंचार्ज अभिलाख और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई।

बताया गया है कि गांव के लोग और राहगीर जब सुबह मंदिर पर पूजा और साफ–सफाई के लिए पहुंचे तो वहां मंदिर परिसर में एक व्यक्ति को फांसी के फंदे पर लटका शव दिखाई दिया। शव को देख कर वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। मंदिर में शव मिलने की खबर जंगल की आग की तरह इलाके में फैल गई। मंदिर के आसपास काफी लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई।

फरह का है यह मामला पुलिस और फॉरेसिंक टीम जांच में जुटी

पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। उसकी उम्र करीब 30 से 35 वर्ष बताई जा रही है। शव के पास से कोई सुसाइड नोट या अन्य कोई एसी वस्तु बरामद नहीं हुई, जिससे उसकी शिनाख्त हो पाती। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता लगेगा कि उसने आत्महत्या की है अथवा उसकी हत्या की गई है।

जलभराव का वीडियो वायरल करने वाले पर दर्ज होगी एफआईआर

जांच में स्कूल मार्ग पर जलभराव नहीं मिला युवक ने पानी में उतारा था बच्चों को

यूनिक समय, मथुरा। फरह क्षेत्र की ग्राम पंचायत शाहपुर फरह के मजरा नगला राधा में बच्चों के जलभराव से होकर स्कूल जाने का वीडियो वायरल होने के मामले में डीपीआरओ ने थानाध्यक्ष को प्राथमिकी दर्ज कर विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मामले में रवि कुमार और पूर्व प्रधान लाखन सिंह के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

डीपीआरओ धनंजय जायसवाल की ओर से आठ अगस्त को जारी पत्र के अनुसार, सात अगस्त को थाना फरह के मोबाइल नंबर 9058623282 से रविकुमार के फेसबुक लिंक के साथ एक वीडियो भेजा गया था। इसमें प्राथमिक स्कूल के बच्चों को जलभराव वाले गंदे पानी से निकलते हुए दिखाया गया था। इस पर वीडियो की जांच के लिए एडीओ पंचायत को निर्देशित किया गया। एडीओ ने बताया कि नगला राधा में पूर्व माध्यमिक विद्यालय डामर सड़क पर स्थित है। विद्यालय से बस्ती और खेतों की ओर जाने वाले रास्ते में पहले सपेरा बस्ती तक पक्का मार्ग है। विद्यालय से करीब 800 मीटर दूर जगदीश के खेत

इसी रास्ते का वीडियो वायरल करने पर मुकदमा दर्ज करने के हुए हैं आदेश।

के पास अस्थायी रूप से बंजारे रहते हैं। खेतों के चकमार्ग पर पानी निकासी नहीं होने से वहां जलभराव मिला।

जांच रिपोर्ट के अनुसार, रवि कुमार ने ग्रामीणों को एकत्र कर बच्चों को जलभराव से निकालते हुए वीडियो बनाया गया और फेसबुक पर पोस्ट किया गया। डीपीआरओ के अनुसार, रवि और पूर्व प्रधान लाखन सिंह ने निजी स्वार्थ और पंचायत चुनाव के दृष्टिगत भ्रामक वीडियो प्रचारित कर प्रशासन और ग्राम पंचायत की छवि धूमिल की। प्रकरण सामने आने के बाद आठ अगस्त को सचिव ने जेसीबी से मिट्टी डलवाकर रास्ता आवागमन योग्य करा दिया। अधिकारी ने संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि जब समस्या नहीं थी, तो मिट्टी किसके लिए डलवाई गई।

पेड़ के नीचे शव मिलने से सनसनी

यूनिक समय, वृंदावन। बंद पड़े रेलवे स्टेशन के पास पेड़ के नीचे अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस जांच में जुटी है। लोगों की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मृतक की शिनाख्त के प्रयास कर रही है। स्थानीय निवासियों की मानें तो मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष प्रतीत हो रही है। वह स्थानीय नागरिक नहीं था, कुछ दिनों से क्षेत्र में कबाड़ बीनने का काम करता देखा गया था। स्थानीय पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

गिट्टी से बाइक फिसलने पर डंपर के टायर से हुई फौजी की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन क्षेत्र स्थित पैंठ बाजार के समीप गिट्टी से बाइक फिसलने के कारण सेवानिवृत फौजी का शरीर डंपर के पिछले पहिए के नीचे आने से कुचल गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

बताया गया कि मूल रूप से गांव सराय दाऊद निवासी विक्रम सिंह ने फौज से रिटायर्ड होकर औरंगाबाद पावर हाउस में नौकरी कर ली थी। उन्होंने टाउनशिप की कृष्णापुरम कॉलोनी में मकान बना रखा है। बताया गया कि वह कल सायं बाइक से घर के लिए लौट रहे थे। रास्ते में महावन- सादाबाद मार्ग पर महावन पैंठ के समीप सड़क निर्माण के लिए सड़क पर गिट्टियां बिछ रही है। विक्रम सिंह की बाइक यहां से गुजरते समय गिट्टी से फिसल गई और निर्माण कार्य में लगे डंफर के पिछले पहिए के नीचे आकर बुरी तरह से कुचल गए। दुर्घटना को देख वहां लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना में विक्रम सिंह की हुई मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

TEST	MARKET RATE	OUR RATE
ECHO	2500	1000
TMT	1500	500
Holter	2000	1500
Angiography	10000	7000
Angioplasty	140000	90000 (Stent charge Extra)
Pacemaker (TPI)	15000	9000

फुटपाथ पर अतिक्रमण, सड़कों पर वाहन

कृष्णानगर के मुख्य मार्ग पर खड़े वाहन।

कृष्णा नगर के मुख्य मार्ग पर सड़क पर पार्क कार।

कृष्णानगर में सड़कों पर वाहनों का कब्जा

बीएसए कॉलेज से भूतेश्वर तिराहे तक है हर दिन यही समस्या

कृष्णानगर में सड़क पर वाहनों का जमावड़ा

शहर में ऐसी कोई सड़क नहीं, जहां वाहन नहीं खड़ा होते हैं। ऐसे वाहन कुछ देर के बाद हटते हैं, लेकिन कृष्णानगर में यह समस्या विकराल है, यहां दोपहर से देर शाम तक सड़कों पर ही वाहन खड़े दिखाई देते हैं। पुलिस की सड़कों से वाहन उठाने वाली गाड़ी इस दौरान हूटर बजाती निकलती है, लेकिन सड़क पर खड़े वाहनों को नहीं छूती है। लोगों का कहना है कि सड़क पर खड़े होने वाले दो- चार वाहन उठा लिए जाएं तो समस्या का निदान हो सकता है।

यूनिक समय, मथुरा। शहर की शायद ही कोई ऐसी सड़क बची हो, जहां अतिक्रमण की समस्या दिखाई न देती हो। मुख्य बाजारों से लेकर मोहल्लों की गलियों तक फुटपाथ और सड़क किनारे का बड़ा हिस्सा दुकानदारों के सामान, अस्थायी ठेलों और अन्य कब्जों से घिरा हुआ है। इसके चलते सड़कें संकरी हो गई हैं और यातायात व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है। राहगीरों को भी मजबूरी में सड़क पर चलना पड़ता है।

नगर के प्रमुख बाजारों में दुकानदारों ने नालियों के ऊपर पटिया डालकर उन्हें अपने उपयोग में ले लिया है। इसके आगे तक सामान सजा दिया जाता है।

खरीदारी करने वाले ग्राहक भी वाहनों को दुकानों के सामने खड़ा कर देते हैं। इससे सड़क की उपलब्ध चौड़ाई और कम हो जाती है। दिनभर वाहनों की आवाजाही के बीच कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी रहती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर की कई सड़कों का चौड़ीकरण किया गया, लेकिन अतिक्रमण के कारण उसका अपेक्षित लाभ लोगों को नहीं मिल रहा है। सड़क पर फैले सामान का विरोध करने पर कई बार दुकानदारों और लोगों के बीच विवाद की स्थिति भी बन जाती है। अतिक्रमण का असर नगर की सफाई व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। नालियों पर कब्जा होने के कारण सफाई कर्मियों को नियमित सफाई करने में परेशानी होती है।

उठावनी

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूज्यनीय माताजी श्रीमती कमलेश अग्रवाल पत्नी स्व. महेश चंद्र अग्रवाल का आकस्मिक निधन दिनांक 08.08.2026 को हो गया है। जिनकी उठावनी दिनांक 09.08.2026 रविवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर सायं 3 से 4 बजे तक अग्रवाटिका मसानी बाईपास लिंक रोड, मथुरा पर होगी।

स्व. श्रीमती कमलेश अग्रवाल

- शोकाकुल परिवार-

संजय निधि अग्रवाल, मनीष रागिनी अग्रवाल (पुत्र-पुत्रवधू)
प्रवीण गोयल (सचिन) (पुत्र) कीर्ति संजीव मित्तल (पुत्री-दामाद)
अशोक-सुमन, ब्रज किशोर-शशि अग्रवाल (देवर-देवरानी)
गोविंद रेखा, पंकज पायल, सौरभ प्रिया (भतीजे-भतीजे वधू)
राज, केशव, माधव, तेजस्वी, रूई, पियू, वैष्णवी (नाती-नातिन)
शिवम, राधिका, संस्कृति (धेवता-धेवती) एवं समस्त चूड़ी वाला परिवार

प्रतिष्ठान

• हरि कृपा नावेल्टी हाउस महेश चूड़ी वाले 9837306471
• हरि कृपा चूड़ी हाउस • रमन लाल चूड़ी वाले, मथुरा

मायका पक्षः- रामेश्वर लाल-जमुना लाल सर्राफ, हिण्डौन सिटी

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गुरु हरकिशन साहिब का प्रकाश पर्व

हरकिशन साहिब का प्रकाश पर्व मनाते समाज के लोग।

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णा नगर स्थित कुटिया संत मुलख राज बेदी में गुरु हरकिशन साहिब का प्रकाश पर्व श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में साध-संगत ने भाग लेकर गुरु साहिब के समक्ष माथा टेका और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारे को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। कार्यक्रम के दौरान सुसज्जित पालकी साहिब में गुरु ग्रंथ साहिब को विराजमान किया गया। वहीं रागी जत्थों ने शबद-कीर्तन प्रस्तुत कर संगत को निहाल किया। शबद-कीर्तन के माध्यम से गुरु हरकिशन साहिब के जीवन, उनके आदर्शों और मानव सेवा के लिए किए गए कार्यों को संगत के समक्ष रखा गया। रागी जत्थों ने बताया कि गुरु हरकिशन ने छोटी आयु में ही मानवता और सेवा की ऐसी मिसाल कायम की, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

जगदीश आहूजा ने कहा कि गुरु हरकिशन का जीवन समाज को मानवता की सेवा करने का संदेश देता है। इस अवसर पर लाडो, शिव अरोरा, रघुवीर सिंह ओबराय, अजय चड्ढा, जितेंद्र सिंह पप्पू, भगत सिंह, ज्ञानी महेंद्र सिंह, बलविंदर सिंह, गिर्राज धमीजा, नीरज अजवानी, जसनूर सिंह, परमीत सिंह, रविंदर लांबा आदि उपस्थित रहे।

जारी-जारी ओ कारी बदरिया, ना तू बरस री मेरी अटरिया

दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जिला महिला इकाई ने अग्रवाटिका में हरियाली तीज उत्सव मनाया। जिलाध्यक्ष मीरा मित्तल, महामंत्री विनीता खंडेलवाल और नविता अग्रवाल ने कार्यकारिणी सदस्यों के साथ हिंडोले में बिराजे राधा-कृष्ण को झुलाया और दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण इंद्रधनुषी रंगों में घटाओं की छटा लिए बहनों के मनमोहक नृत्य रहे।

पूजा और पूनम गुप्ता ने काली घटा की छटा बिखरते हुए सुनाया-जारी-जारी ओ कारी बदरिया ना तू बरस री मेरी अटरिया"। गुलाबी घटा की झलकी दिखाते हुए देविका, शिल्पा और सरिता खंडेलवाल ने गाया-"चूड़ी मजा ना देगी कंगन मजा ना देगा"। पीली घटा में कविता अग्रवाल और अनुपम गुप्ता ने, हरी घटा में सोनल अग्रवाल और शालिनी गोयल ने, नीली घटा में सुनीता दानी, शशि गुप्ता और रजनी अग्रवाल ने, सफेद घटा में कृपा और सौम्या खंडेलवाल, आराधना सैनी ने, केसरिया घटा में नीलम वार्ष्णेय, अंजली गुप्ता और वसुंधरा ने अपने नृत्य के जलवे बिखेरे।

दिव्यांशी ने कृष्ण रूप में और देविका ने राधा स्वरूप में "गोविंद हरी राधा गोविंद हरी" भजन पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। रश्मि अग्रवाल ने सास और सारिका बंसल ने मॉडर्न बहू और मिथिलेश दानी ने पति, कल्पना खंडेलवाल ने पत्नी की भूमिकाओं में चुटीले संवादों से गुदगुदाया। पंक्चुअलिटी विजेता मीनल अग्रवाल, मंजू गर्ग बनी। कार्यक्रम संयोजिकाओं नीतू जिंदल, संगीता विजयवर्गीय, बीना अग्रवाल, शशि गर्ग और विजयश्री ने संचालन करते हुए हाउजी खिलवाई। कोषाध्यक्ष बबीता अग्रवाल, मीरा ब्लूडॉट, संगठन मंत्री रश्मि, मीडिया प्रभारी अंजली गुप्ता, अन्य पदाधिकारियों ने सामान्य ज्ञान, अन्य प्रतियोगिताओं के विजेताओं, प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। जिलाध्यक्ष मीरा मित्तल ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में रजनी तायल, माधुरी अग्रवाल, छाया अग्रवाल, लता गोयल आदि थीं।

रेलवे ट्रेक पर मिला अज्ञात शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना छाता क्षेत्र स्थित गोवर्धन-बरसाना फलाईओवर के नीचे से गुजरने वाली रेलवे लाइन पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव पुलिस ने बरामद किया है। मृतक की आयु करीब चालीस साल प्रतीत हो रही है। पुलिस को तलाशी के दौरान उसके कब्जे से कोई ऐसी वस्तु नहीं मिली, जिससे उसकी शिनाख्त हो पाती। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शव की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

हरियाली तीज पर बांकेबिहारी मंदिर में उमड़ेगी भीड़

यूनिक समय, वृंदावन। 15 और 16 अगस्त का अवकाश होने के कारण इस बार इन दोनों दिनों में मंदिरों की नगरी में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना जताई जा रही है। दिल्ली समेत अन्य राज्यों में दो दिन का अवकाश है।

15 अगस्त की हरियाली तीज है। इस दिन ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में स्वर्ण रजत हिंडोले में ठाकुरजी झूलेंगे। सुबह से दोपहर और सायं से लेकर देर रात्रि तक विशेष दर्शन होंगे। इस झांकी की एक झलक पाने के लिए हर कोई लालायित है। इसलिए 15 अगस्त को वृंदावन में भीड़ आने की उम्मीद है तो 16 अगस्त को रविवार है। इस दिन भी छुट्टी है। इस लिहाज से रविवार के दिन भी भीड़ रहेगी। भीड़ को नियंत्रण करते हुए पुलिस प्रशासन ने यातायात प्लान तैयार कर लिया है। बाहर से आने वाले सभी चार पहिया वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़ा कराया जाएगा। शहर के अंदर ई-रिक्शा के संचालन पर रोक होगी। सिर्फ पंजीकरण ई-रिक्शा को ही परमीशन होगी। तिराहे और चौराहों पर पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के अलावा कई और मंदिरों में झूलनोत्सव मनाया जाएगा। इन मंदिरों के रस्तों पर पुलिस बल तैनात होगा।

अपनों को दें घर बैठे

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

• शोक संदेश • पुण्यतिथि • उठावनी

साइज-8x10 मात्र-₹1000/-*
(कलर)

अब डिजीटल अपनाओ
मोबाइल से घर बैठे बुक कराओ
कॉल करें-9837115157

बारिश से बदला मौसम, लोगों को मिली राहत

सुबह से शाम तक आसमान पर डटे रहे बदरा

आगामी दिनों में जोरदार वर्षा का पूर्वानुमान

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को मौसम ने फिर राहत दी। सुबह से शाम तक आसमान पर डटे बादल लोगों को राहत देते रहे। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी जोरदार वर्षा होने का पूर्वानुमान जारी किया है।

शुक्रवार के बाद आज सुबह से आसमान पर बादलों का डेरा बना रहा। ऐसे में बारिश होने की संभावना बनती रही, लेकिन आसमान साफ होने के बाद धूप निकल आई, जो कुछ देर बाद बादलों की वापसी से गायब हो गई। कुछ समय बाद आसमान साफ होने और बयार बंद होने से उमस हो गई, जिससे लोग परेशान हो गए। दोपहर के बाद मौसम फिर बदला तो वर्षा हो गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया।

वहीं, बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से जिले का मौसम पूरी तरह बदल गया है। दिनभर बादलों की आवाजाही से राहत मिली। मौसम विभाग ने 9 से 11 अगस्त के बीच भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार ने बताया कि अगले चार-पांच दिन तक घने बादल छाए रहने और मध्यम से भारी बारिश होने के आसार हैं।

शनिवार दोपहर वर्षा से बचने के लिए स्कूटी पर छाता लगाकर जाता सवार।

शिक्षा, कौशल और प्लेसमेंट का मजबूत आधार है जीएलए प्रबंधन संस्थान

यूनिक समय, मथुराः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा एनालिटिक्स, ऑटोमेशन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में प्रबंधन शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। उद्योग जगत ऐसे प्रबंधन पेशेवरों की तलाश में है, जिनमें विश्लेषणात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता, प्रभावी संचार कौशल, तकनीकी समझ और निर्णय लेने की क्षमता हो। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जीएलए विश्वविद्यालय का इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख शिक्षा, आधुनिक तकनीकों और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से भविष्य के अवसरों के लिए तैयार कर रहा है।

संस्थान में स्नातक स्तर पर बीबीए, बीबीए–डेटा एनालिटिक्स एंड बिजनेस इंटेलिजेंस, बीबीए–मैनेजमेंट साइंस, बीबीए–फैमिली बिजनेस, बी.कॉम, जबकि स्नातकोत्तर स्तर पर एमबीए, एमबीए (ऑनर्स), एमबीए–बिजनेस

प्रो. कृष्णवीर सिंह

प्रो. अनुराग सिंह

एनालिटिक्स, एमबीए–लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट और एमबीए–फाइनेंशियल मार्केट्स एंड बैंकिंग जैसे विशेषीकृत कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसके साथ पीएचडी कार्यक्रम भी उपलब्ध है। पाठ्यक्रम में आर, पायथन, एसक्यूएल, टैब्ल्यू, एडवांस्ड एक्सेल, फाइनेंशियल मॉडलिंग, मार्केटिंग एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, इकॉनोमेट्रिक्स और स्टार्टअप प्लानिंग जैसे समकालीन विषयों को शामिल किया गया है।

संस्थान में प्रवेश के पहले दिन से ही करियर रेडीनेस प्रोग्राम शुरू हो जाते हैं। वर्बल एबिलिटी, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूट, लॉजिकल रीजनिंग, ग्रुप डिस्कशन, पर्सनल इंटरव्यू और कम्यूनिकेशन स्किल्स को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया गया है। 100 से अधिक अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में उद्योग विशेषज्ञों के व्याख्यान, कार्यशालाएं, कॉरपोरेट इंटरैक्शन, हार्वर्ड बिजनेस केस स्टडी, बिजनेस सिमुलेशन, लाइव प्रोजेक्ट्स,

उद्योग की जरूरतों के अनुरूप भविष्य के प्रबंधक तैयार कर रहा जीएलए का इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट

औद्योगिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव दिया जाता है। वर्तमान सत्र में 350 से अधिक कंपनियों में विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के अवसर मिले हैं।

संस्थान के विशेषीकृत कार्यक्रम ओम लॉजिस्टिक्स, एएएफएम इंडिया, आईओए–यूके और आईएसडीसी के सहयोग से संचालित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त सेसिम बिजनेस सिमुलेशन्स, द हिंदू और बिजनेस स्टैंडर्ड के साथ शैक्षणिक साझेदारी और एनएचआरडीएन मथुरा चैप्टर से जुड़ाव विद्यार्थियों को वैश्विक व्यावसायिक दृष्टिकोण प्रदान करता है। संस्थान को आईएसीबीई से अंतरराष्ट्रीय मान्यता, एएसीएसबी बिजनेस एजुकेशन एलायंस की सदस्यता प्राप्त है। टाइम्स बी–स्कूल्स 2026 की रेटिंग में संस्थान को एमबीए शिक्षा के क्षेत्र में देश के शीर्ष तीन संस्थानों में स्थान प्राप्त हुआ है। प्लेसमेंट के क्षेत्र में भी संस्थान का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। वर्ष 2026 में 220 से अधिक राष्ट्रीय-बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने कैंपस प्लेसमेंट में भाग लिया। विद्यार्थियों को 650 से अधिक ऑफर लेटर प्राप्त हुए, जबकि 400 से अधिक विद्यार्थियों ने पढ़ाई पूरी होने से पहले ही प्लेसमेंट ऑफर हासिल किए। एमबीए–लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट, एमबीए–बिजनेस एनालिटिक्स का प्लेसमेंट 100 प्रतिशत रहा। विद्यार्थियों का चयन सोनी, डिलॉयट, एस एंड पी ग्लोबल, फ्लिपकार्ट, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, एमआरएफ, हायफन फूड्स, लेंसकार्ट, सीएमए सीजीएम, एचसीएल, डलूपा, डीबी शेंकर, सेफएक्सप्रेस, यात्रा डॉट कॉम, ओम लॉजिस्टिक्स, क्लेयरवाटर एनालिटिक्स, ब्लिनकिट, एचडीएफसी बैंक, मदरसन और एमरॉन बैटरीज सहित अनेक प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ है। इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के निदेशक प्रो. अनुराग सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति, डिजिटल अर्थव्यवस्था और उद्योगों की बदलती अपेक्षाओं ने प्रबंधन शिक्षा की भूमिका को पहले से अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। एसोसिएट विभागाध्यक्ष प्रो. कृष्णवीर सिंह ने कहा कि बदलते वैश्विक कारोबारी परिवेश में उद्योग ऐसे पेशेवर चाहते हैं जो समस्याओं का समाधान खोज सकें, नवाचार को अपनाएं और प्रभावी नेतृत्व कर सकें। इसी सोच के साथ संस्थान में प्रवेश के पहले दिन से ही करियर रेडीनेस कार्यक्रम शुरू किए जाते हैं।

रचना गौतम चुनी गईं तीज क्वीन

कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागी को सम्मानित करतीं महिलाएं।

कार्यक्रम में दिखा परंपरा संस्कृति और नारी शक्ति का रंगारंग संगम

यूनिक समय, मथुरा। जिवन आनंद फाउंडेशन द्वारा आयोजित ग्रैंड तीज सेलिब्रेशन का आयोजन हर्षोल्लास-पारंपरिक रंगों के साथ किया गया। कार्यक्रम में तीज की संस्कृति, परंपरा और नारी शक्ति का खूबसूरत प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शिल्पा सभरवाल कात्याल रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सुनीता जैन, रितु अग्रवाल और ममता भारद्वाज ने समारोह की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का संचालन और मंच की जिम्मेदारी कल्पना, पूनम, गुंजन शर्मा ने संभाली। सभी अतिथियों ने शानदार एंकरिंग और ऊर्जा से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। समारोह में सीमा, पायल,यती, रेखा, दिव्या, दीक्षा, हिना, श्रेया और गीता सहित अनेक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में पारंपरिक परिधान, मेहंदी, तीज क्वीन प्रतियोगिता, रैंप वॉक, डांस, गेम्स, उपहार और मनोरंजक गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहीं। कार्यक्रम में समय की पाबंदी को प्रोत्साहित करते हुए रेखा को समय की पाबंदी के विजेता से सम्मानित किया गया। पूरे समारोह में महिलाओं का उत्साह, पारंपरिक परिधानों की खूबसूरती और तीज के उल्लास ने वातावरण को बेहद जीवंत बना दिया। आयोजन ने नारी शक्ति, मित्रता और भारतीय संस्कृति के खूबसूरत रंगों को एक मंच पर प्रस्तुत किया।

केसरी मखमल के हिंडोले में विराजे राजाधिराज

यूनिक समय, मथुरा। सावन मास के दसवें दिन पुष्टिमार्ग संप्रदाय के प्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में राजाधिराज ठाकुर द्वारकाधीश केसरी मखमल के हिंडोले में विराजमान हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। रविवार को संध्या समय 5:10 बजे से 5:40 बजे तक राजाधिराज फूलों के हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

सपा प्रदेश अध्यक्ष का किया स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। बल्देव विधानसभा क्षेत्र में आयोजित पीडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में डॉ. भीमराव आंबेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी के नेतृत्व में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का साफा बांधकर सम्मान किया। इस दौरान आंबेडकर वाहिनी के कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया। वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए पूरी मजबूती से काम करने की बात कही। इस अवसर पर संजय,अभिषेक यादव,रानू यादव, राज गब्बर,राजेंद्र

सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का स्वागत करते भीमराव आंबेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी और कार्यकर्ता।

प्रसाद लोधी,देवेंद्र निषाद, मुकेश सैनी, संतोष सैनी, ओमपाल सिंह सैनी, कृष्णा सैनी, कोमल सैनी, देवेंद्र आजाद, अभिषेक निमेष,राहुल सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला विक्रेताओं को इनर व्हील ने बांटे छाते

धूप और बारिश से बचाव को क्लब ने पहल की

सम्मानपूर्वक आजीविका जारी रखने में मिलेगी मदद

यूनिक समय, मथुरा। महिला सशक्तिकरण की दिशा में इनर व्हील मथुरा वेस्ट ने सराहनीय पहल की। क्लब की ओर से शहर के अलग–अलग क्षेत्रों में ठेले पर सामान बेचकर आजीविका चलाने वाली महिला विक्रेताओं को छह बड़े छाते वितरित किए गए। इन छातों पर क्लब की ब्रांडिंग भी की गई है।

क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि तेज धूप और बारिश के दौरान खुले में सामान बेचने वाली महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को देखते हुए उन्हें छाते उपलब्ध कराए गए हैं। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से राहत देने के साथ उन्हें सम्मानपूर्वक अपनी आजीविका जारी रखने में सहयोग करना है। कार्यक्रम में अध्यक्ष समता भल्ला, सचिव राज भाटिया, कोषाध्यक्ष अंजू गुप्ता,

ढकेल पर छाता लगाने के दौरान मौजूद इनरव्हील की सदस्याएं।

सीजीआर इंजीनियर गरिमा साहू, आईएसओ डॉ. अंजू राठौर, संपादक रश्मि द्विवेदी सहित क्लब की सदस्य मौजूद रहीं। क्लब पदाधिकारियों ने भविष्य में भी जरूरतमंद महिलाओं के सहयोग का संकल्प लिया।

राया, अकोस और दीनदयाल मंडल में रविदास कलश यात्रा का स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। बल्देव विधानसभा क्षेत्र के राया, अकोस और दीनदयाल मंडल में संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती पर कलश यात्रा का जगह–जगह पुष्प वर्षा और दीप प्रज्वलन विधायक पूरन प्रकाश, राया चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल, जिला मंत्री और राया मंडल प्रभारी सुरेश तरकर, कार्यकर्ताओं ने यात्रा का जगह–जगह फूल पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

विधायक ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास ने पूरे जीवन मानवता, समानता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।"मन चंगा तो कठौती में गंगा" उनका अमर संदेश है। आज हम सबको उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में भेदभाव मिटाकर एकजुटता के साथ देश और समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में आकाश चौधरी, भानू प्रताप, जयपाल सिंह, वीरपाल सिंह, रामकुमार उपाध्याय, लाखेद्र, मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी, पारस ठाकुर, अजय परखम, राजदर्शन पचौरी, संजय तरकर, भोला चौधरी, दिनेश चौहान, रामनरेश उपाध्याय, हरिशंकर दीक्षित, परमानन्द अग्रवाल, राहुल पाठक, अनिल रावत, महेश सिकरवार और प्रमोद भरंगर सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माध्यमिक विद्यालयों में ऑनलाइन हाजिरी का हाल–बेहाल

राजकीय विद्यालयों में व्यवस्था पटरी पर

वित्तविहीन इंटर कॉलेजों में सिर्फ 35 प्रतिशत छात्रों की लग रही ऑनलाइन उपस्थिति

यूनिक समय, मथुरा। जिले के माध्यमिक विद्यालयों में शासन की ओर से लागू की गई ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था पूरी तरह से पटरी पर नहीं आ सकी है। कहीं पोर्टल की तकनीकी समस्या आड़े आ रही है तो कहीं शिक्षक और छात्र ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने में लापरवाही बरत रहे हैं। इसका सबसे अधिक असर वित्तविहीन इंटर कॉलेजों में दिखाई दे रहा है। इन विद्यालयों में ऑनलाइन हाजिरी की स्थिति बेहद खराब है।

जिले के राजकीय इंटर कॉलेजों में ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था का काफी हद तक पालन किया जा रहा है। शिक्षक और कर्मचारी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। वहीं वित्तविहीन इंटर कॉलेज इस मामले में काफी पीछे चल रहे हैं। इन विद्यालयों में छात्रों की ऑनलाइन उपस्थिति भी पूरी तरह दर्ज नहीं हो पा रही है। बताया गया है कि वित्तविहीन इंटर कॉलेजों में वर्तमान में करीब 35 प्रतिशत छात्रों की ही ऑनलाइन हाजिरी दर्ज हो रही है। शेष छात्रों की उपस्थिति ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज नहीं हो पा रही है। कई बार पोर्टल में तकनीकी खराबी आने के कारण ऑनलाइन हाजिरी दर्ज नहीं हो पाती। वहीं कुछ मामलों में छात्र भी समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करा रहे हैं। ऑनलाइन हाजिरी को लेकर विद्यालयों के स्टाफ की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं।

शासन की ओर से व्यवस्था लागू करने के बावजूद यदि नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज नहीं हो रही है तो इसे केवल पोर्टल की समस्या मानना भी उचित नहीं होगा। ऑनलाइन हाजिरी से विद्यालयों में छात्रों और शिक्षकों की उपस्थिति की वास्तविक स्थिति पता चलता है। किस विद्यालय में कितने छात्र नियमित रूप से स्कूल पहुंच रहे हैं। इसके साथ ही शिक्षकों की उपस्थिति पर भी निगरानी रखी जा सकेगी। लेकिन वित्तविहीन विद्यालयों में पूरी तरह पालन नहीं किया जा रहा है। विभागीय स्तर पर यदि ऑनलाइन हाजिरी की नियमित समीक्षा की जाए और पोर्टल की तकनीकी समस्याओं को समय से दूर किया जाए तो व्यवस्था में सुधार हो सकता है।

10 अगस्त को खिलाई जाएंगी एल्बेंडाजोल की गोली

यूनिक समय,मथुरा। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनपद में 10 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा । अभियान के दौरान एक से 19 वर्ष तक की आयु के 12.79 लाख बच्चों और किशोरों- किशोरियों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी। छूटे हुए बच्चों को आच्छादित करने के लिए 14 अगस्त को मॉप अप राउंड चलेगा। स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों पर विद्यार्थियों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। सीएमओ डॉ. राधा बल्लभ ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मदद से एक से पांच साल तक के बच्चों को दवा दी जाएगी।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

भूलकर भी इन लोगों को नहीं खाना चाहिए चुकंदर

नहीं तो हो सकता है भारी नुकसान

ूनिक समय, मथुरा। चुकंदर खाना वैसे सेहत के लिए काफी हेल्दी होता है। लेकिन इन लोगों को चुकंदर का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे शरीर को काफी नुकसान होता है। जिन लोगों को किडनी की समस्या और डायबिटीज की समस्या है ऐसे लोग तो भूलकर भी चुकंदर का सेवन न करें। इन लोगों को भूलकर भी नहीं खाना चाहिए चुकंदर। शरीर के लिए सबसे ज्यादा हेल्दी चुकंदर ही माना जाता है। इसके सेवन से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। हालांकि, कुछ लोगों के लिए चुकंदर का सेवन करना अभिशाप बन सकता है। इसलिए इसका सेवन करने से पहले जान लें ये बातें। वैसे तो चुकंदर में कई पोषक तत्व पाएं जाते है लेकिन कुछ लोगों के लिए चुंकदर का सेवन या चुकंदर का जूस भूलकर भी नहीं पीना चाहिए। वरना बड़ी समस्या उत्पन्न हो सकती है। आइए जानते हैं किन लोगों को चुकंदर का सेवन नहीं करना चाहिए।

किडनी की समस्या : सेहत के लिए चुकंदर काफी हेल्दी होता है लेकिन इसमें अधिक मात्रा में ऑक्सेल्ट पाया जाता है। तो इसके अधिक सेवन से बचना चाहिए।

जिन लोगों को किडनी की समस्या है लेकिन चुकंदर खा रहे हैं तो आज ही इसे खाना बंद कर दें, क्योंकि चुकंदर खाने से समस्याएं अधिक बढ़ सकती है।

एलर्जी होने पर : अगर जो लोगों को स्किन एलर्जी, रैशेज और खुजली की समस्या से परेशान रहते हैं। उन लोगों को चुकंदर का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसे में इन लोगों को चुकंदर का सेवन नहीं करना चाहिए।

प्रेग्नेंट महिलाएं सेवन न करें: जो महिलाएं प्रेग्नेंट हैं उन को चुकंदर का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि इसमें बीटाइन पाया जाता है। इसका सेवन करना प्रेग्रेंट महिलाओं को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में मां बनने वाली महिलाओं को चुकंदर का सेवन नहीं करना चाहिए।

पाचन की समस्याः अगर आपको पाचन की समस्या रहती है तो आपको चुकंदर का सेवन नहीं करना चाहिए। वैसे तो चुकंदर में अच्छी मात्रा में फाइबर मौजूद होता है। लेकिन इसका अधिक सेवन से कई बार लोगों को पाचन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

लो ब्लड प्रेशर की समस्या : चुकंदर में सबसे ज्यादा पोटैशियम और सोडियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। ऐसे में लो ब्लड प्रेशर की समस्या से परेशान लोगों को इसका सेवन करने बचना चाहिए।

ब्लड शुगर बढ़ने पर : चुकंदर में अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक इंडेक्स पाया जाता है। इसका सेवन करने से शुगर बढ़ जाता है। डायबिटीज से पीड़ित लोगों को इसका सेवन डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए।

नॉन–स्टिक कुकवेयर पर बना रहे हैं खाना, तो इन बातों का रखें ध्यान

यूनिक समय, मथुरा। अक्सर यह देखने में आता है कि हम खाली पैन को प्रीहीट करते हैं। कास्ट आयरन या स्टील के बर्तनों में अक्सर ऐसा किया जाता है। लेकिन नॉन–स्टिक पैन को बिना किसी तेल के तेज़ आंच पर रखने पर अस्वास्थ्यकर धुआं निकलता है।

नॉन–स्टिक कुकवेयर का इस्तेमाल करना आज के समय में हर किचन में किया जाने लगा है। सुबह के समय जब परफेक्ट स्क्रैम्बल एग या सनी साइड अप बनाना हो या फिर आप चीला बनाने की तैयारी कर रहे हों तो नॉन–स्टिक कुकवेयर आपके काम को काफी आसान बनाता है। इन्हें साफ करना भी काफी आसान होता है। हालांकि, यह जल्दी से खराब ना हो, इसलिए इन्हें सही तरह से इस्तेमाल करना और केयर करना बेहद जरूरी होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप नॉन–स्टिक कुकवेयर में अधिक बेहतर तरीके से कुकिंग कर सकते हैं–

खाली पैन को ना करें प्रीहीट : अक्सर यह देखने में आता है कि हम खाली पैन को प्रीहीट करते हैं। कास्ट आयरन या स्टील के बर्तनों में अक्सर ऐसा किया जाता है।

लेकिन नॉन–स्टिक पैन को बिना किसी तेल के तेज़ आंच पर रखने पर अस्वास्थ्यकर धुआं निकलता है। ऐसे में पैन की नॉन–स्टिक कोटिंग को भी नुकसान पहुंचता है। इसलिए, हमेशा आप हमेशा पैन को हीट पर रखते समय थोड़ा पानी या ऑयल का इस्तेमाल जरूर करें।

हाई हीट को करें अवॉयड : जब भी आप नॉन–स्टिक पैन में खाना बनाते हैं तो हमशा मीडियम या लो तापमान पर ही खाना बनाएं। हाई हीट नॉन–स्टिक कोटिंग को नुकसान पहुंचा सकती है और कुछ कोटिंग से हानिकारक धुआं निकल सकता है। कम तापमान पर खाना पकाने से यह सुनिश्चित होता है कि नॉन–स्टिक कोटिंग उपयोग के लिए सुरक्षित रहे। साथ ही साथ, खाना बिना चिपके प्रभावी ढंग से पकता रहे।

कुकिंग स्प्रे को करें अवॉयड : नॉन–स्टिक कुकवेयर पर एरोसोल कुकिंग स्प्रे आदि का इस्तेमाल ना करने की सलाह दी जाती है। ये स्प्रे एक ऐसा अवशेष छोड़ सकते हैं जिसे हटाना मुश्किल होता है और जो समय के साथ जमा होता जाता है। इससे नॉन–स्टिक कोटिंग की प्रभावशीलता कम हो सकती है।

बर्तनों का सोच–समझकर करें इस्तेमाल : नॉन–स्टिक कुकवेयर से खाना बनाते समय लकड़ी, सिलिकॉन या प्लास्टिक के बर्तनों का इस्तेमाल करना अच्छा माना जाता है। आप मेटल के स्पैटुला, कांटे या चाकू से बचें जो नॉन–स्टिक सरफेस को खरोंच सकते हैं और नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस तरह के बर्तन से नॉन–स्टिक कोटिंग छिल सकती है।

कुर्ती या सूट के साथ कैरी करें दुपट्टे, दिखेंगी खूबसूरत

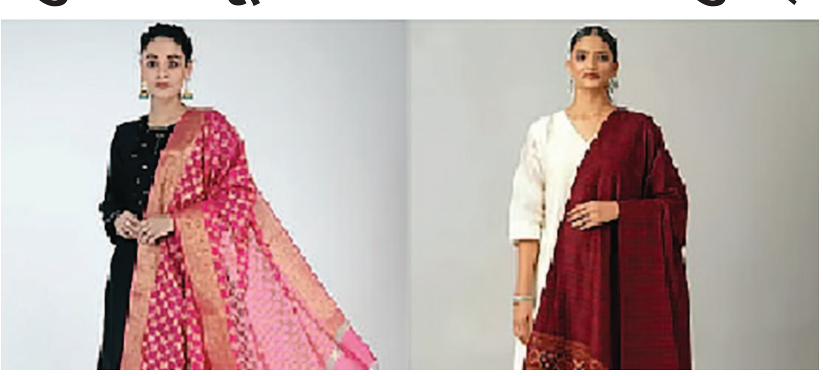

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुपट्टे को पहले महिलाओं की लाज से जोड़ा जाता था, लेकिन समय बदलने के साथ यह फैशनेबल दिखने और खुद को क्लासी लुक देने का एक तरीका बनता जा रहा है। फैशन उद्योग समय के साथ बदलता रहता है। लेकिन जब बात पारंपरिक परिधानों की आती है तो कुछ चीजें ऐसी हैं, जिनमें छोटे–मोटे बदलाव और क्रिएटिविटी ही ट्रेंड बन जाते हैं। अगर आप सूट पहनना पसंद करती हैं तो एक दुपट्टे से आप अपने पूरे लुक को आकर्षक और क्लासी बना सकती हैं। प्लेन या हल्के डिजाइन वाली कुर्ती और सूट इस समय काफी चलन में हैं, लेकिन कभी–कभी ये कुछ ज्यादा ही सिंपल लुक देते हैं। ऐसे में आप कुछ खास दुपट्टों को अपनी कुर्ती और सूट के साथ कैरी करके हैवी लुक दे सकती हैं और अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं।

लड़कियों और ऑफिस गर्ल के बीच यह दुपट्टा काफी लोकप्रिय है। इसकी सबसे अच्छी बात यह है कि यह दुपट्टा काफी हल्का होता है, जिसे आराम से कैरी किया जा सकता है। साथ ही अगर यह दुपट्टा ऑर्गेंजा फैब्रिक में हो तो और भी खूबसूरत लगता है।

बांधनी दुपट्टा : बांधनी दुपट्टा भी प्लेन कुर्ती के साथ काफी स्टाइलिश और खूबसूरत दिखता है। इसकी एक खास बात यह है कि इसे कैरी करने से आप लंबी दिखती हैं। साथ ही यह काफी लाइट वेट दुपट्टा है। इसे आप शॉल की तरह ड्रेप कर या बेल्ट के साथ कैरी कर सकती हैं। दुपट्टे को कैरी करने के इंटरनेट पर काफी हैक्स भी हैं, जिनको देखकर आप अपना सकती हैं।

फुलकारी दुपट्टा : पंजाब की लोकप्रिय पारंपरिक संस्कृति का प्रतीक है फुलकारी दुपट्टा, जिसको पंजाब में नवविवाहिता के लिए बहुत ही शुभ माना जाता है। लेकिन आजकल इसे आमतौर पर भी पहना जाने लगा है। आजकल यह दुपट्टा एक से बढ़कर एक खूबसूरत डिजाइन में उपलब्ध है और इसकी खास बात यह है कि यह हर रंग के साथ फबता है।

बनारसी दुपट्टाः यह दुपट्टा आपको काफी रिच लुक देता है। इसे जब आप अपनी सिंपल कुर्ती के साथ कैरी करती हैं तो यह आपको काफी हैवी लुक देता है, जिसको पहनकर आप किसी शादी या पार्टी में सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर सकती हैं।

चंदेरी दुपट्टाः यह भी बनारसी दुपट्टे की तरह हैवी लुक देता है। यह आपकी हर डिजाइन की कुर्ती के साथ फिट बैठता है और आपको एक कंप्लीट एवं परफेक्ट लुक देता है। इसे आप हैवी ईयररिंग के साथ कैरी कर सकती हैं।

शॉल स्टाइल दुपट्टाः किसी भी हल्के या गहरे रंग के साथ यह शॉल स्टाइल दुपट्टा कैरी किया जा सकता है। यह देखने में तो एक गरम शॉल की तरह लगता है, लेकिन कैरी करने में काफी हल्का होता है। इसकी डिजाइन की वजह से यह हर तरह की कुर्ती के साथ कैरी किया जा सकता है।

एम्ब्रॉयडरी दुपट्टा : एम्ब्रॉयडरी दुपट्टे काफी चलन में हैं, खासकर गोल्डन एम्ब्रॉयडरी दुपट्टे। इनको अगर सफेद या काले रंग की कुर्ती के साथ कैरी किया जाए तो ये बेहद खूबसूरत दिखते हैं। इसे कैरी करना आसान है, इसलिए आप इनको कई रंगों में खरीद सकती हैं और रोज पहन सकती हैं।

नेट का दुपट्टाः यह काफी लाइट वेट दुपट्टा है, जिसको आप सिंपल कुर्ती के साथ ही डिजाइनिंग कुर्ती पर भी कैरी कर सकती हैं। बाजार में यह सैकड़ों डिजाइन में उपलब्ध है, जिसे आप हैवी से हैवी एवं लाइट से लाइट डिजाइन में ले सकती हैं और अपनी सिंपल कुर्ती को क्लासी लुक दे सकती हैं।

पार्टनर के साथ इन हसीन जगहों पर पहुंचे, जिंदगी में भर जाएगा रोमांस

यूनिक समय, मथुरा। दक्षिण भारत देश का एक ऐसा हिस्सा है जिसकी खूबसूरती देखने के लिए हर दिन हजारों देशी और विदेशी पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको तमिलनाडु की इन शानदार जगहों को एक्सप्लोर करना चाहिए।

दक्षिण भारत देश का एक ऐसा हिस्सा है जिसकी खूबसूरती देखने के लिए हर दिन हजारों देशी और विदेशी पर्यटक पहुंचते हैं। केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के अलावा तमिलनाडु में ऐसी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं, जहां हर मौसम और हर महीने में घूमने का एक अलग ही मजा होता है। तमिलनाडु में भी ऐसी कई जगहें मौजूद हैं, जहां हर कोई घूमने का सपना देखता है। इस आर्टिकल में हम आपको तमिलनाडु की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप अगस्त के महीने में परिवार, दोस्त या पार्टनर के साथ मौज–मस्ती करने के लिए पहुंच सकते हैं।

अगस्त के महीने में आप तमिलनाडु की सबसे हसीन जगह कोडाइकनाल है। कोडाइकनाल प्रकृति प्रेमियों के लिए बेहद हसीन जगह है। इस जगह समुद्र तल से करीब 7 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थिति बेस्ट हनीमून डेस्टिनेशन को रूप में जाना जाता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है। आप यहां पर ब्रायंट पार्क, सिल्वर कैस्केड फॉल्स, कोडाइकनाल झील और कोकर्स वॉक जैसी शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

वालपराई : तमिलनाडु के कोयंबटूर शहर के बारे में तो आप सब अच्छे से

जानते होंगे। लेकिन यहां पर स्थित वालपराई हिल्स के बारे में काफी कम लोगों को पता है। बताया जाता है कि इस हिल्स की खूबसूरती कुर्ग, ऊटी और कोडाईकनाल को भी मात देती हैं।

बता दें कि समुद्र तल से करीब 1 हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित वालपराई बेहद शानदार हिल स्टेशन है। अगस्त के महीने में यहां पर पर्यटकों की भारी भीड़ होती है। इस हिल्स को सातवां स्वर्ग भी कहा जाता है। बारिश के मौसम में आपको यहां पर हसीन नजारे देखने को मिलते हैं। इसके अलावा आप यहां पर एडवेंचर एक्टिविटी का लुत्फ उठा सकते हैं।

येलागिरीः बेंगलुरु से करीब 3 घंटे की दूरी पर स्थित येलागिरी अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यह समुद्र तल से करीब 11 हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यह दक्षिण भारत के टॉप डेस्टिनेशन में आता है। नेचर लवर के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है। यह शहर अपनी खूबसूरती के अलावा मनमोहक दृश्यों के लिए भी फेमस है। येलागिरी के सूर्योदय और सूर्यास्त के नजारे पूरे दक्षिण भारत में फेमस हैं। बारिश के मौसम में इस जगह की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। येलागिरी में आप पुंगनूर लेक पार्क, जलगमपराई वॉरफॉल और स्वामीमलाई हिल्स जैसी शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

वेल्लोरः वेल्लोर दक्षिण भारत का एक बेहद खूबसूरत और ऐतिहासिक शहर है। यह तमिलनाडु के पूर्व में स्थित है। पलार नदी के तट पर स्थित वेल्लोर शहर पर विजयनगर, चोलों, राष्ट्रकूट और ब्रिटिश शासकों ने भी हकूमत की है। यह शहर न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि प्राचीन मंदिरों पर विश्व प्रसिद्ध शैक्षिक और स्वास्थ्य संस्थानों के लिए भी फेमस है। अगस्त के महीने में यहां पर भारी संख्या में पर्यटक आते हैं।

इन जगहों को करें एक्सप्लोरः आप तमिलनाडु में अन्य कई जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं, जो बेहद शानदार और अद्भुत हैं। आप अगस्त के महीने में सलेम, अनामलाई टाइगर रिजर्व, कन्नूर, चिदंबरम और धनुषकोडी जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

सुविचार

रिश्तों को शब्दों से नहीं, विश्वास और अपनापन देकर हमेशा मजबूत बनाया जा सकता है जीवनभर।

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	01:59-11:05 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	मृगशीर्षा	04:51-02:43 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		5:51 AM	चन्द्रोदय	01:33 AM
सूर्यास्त		6:58 PM	चंद्रास्त	04:19 PM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM–12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:15-05:43
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:20 PM: 06:58 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। धन लाभ के अवसर बनेंगे, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

वृषभः कल मेहनत का परिणाम मिलेगा। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुनः कल व्यापार में लाभ मिल सकता है। नए संपर्क भविष्य में उपयोगी होंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, आराम जरूरी है कल।

कर्कः कल मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। स्थिति मजबूत होगी। परिवार में खुशी रहेगी और पुराने विवाद समाप्त होने के योग हैं।

सिंहः कल आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा की सराहना होगी। निवेश से लाभ मिल सकता है, जल्दबाजी से बचें हमेशा।

कन्याः कल योजनाएं सफल होंगी। नौकरी में प्रगति के अवसर मिलेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा और धन संबंधी चिंता कम होगी।

तुलाः कल महत्वपूर्ण निर्णय सोच–समझकर लें। व्यापार में नई संभावना मिलेगी। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और यात्रा लाभदायक हो सकती है।

वृश्चिकः कल कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। विरोधियों से सावधान रहें और अपनी योजनाएं साझा न करें।

धनुः कल भाग्य का साथ मिलेगा। शिक्षा और करियर में प्रगति होगी। परिवार से शुभ समाचार मिल सकता है, मन प्रसन्न रहेगा।

मकरः कल मेहनत रंग लाएगी। नौकरी में पदोन्नति के संकेत हैं। कारोबार में लाभ मिलेगा ।

कुंभः कल नए अवसर सामने आएंगे। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धन लाभ संभव है, लेकिन अनावश्यक खर्चों से बचें कल।

मीनः कल रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। रुका धन प्राप्त हो सकता है और स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

सावन में शिव पूजा के लिए ऐसे चुनें सही बेलपत्र

तीन पत्तियों वाला बेलपत्र पूजा में सबसे शुभ माना जाता है

बेलपत्र तोड़ते समय इन नियमों का रखें विशेष ध्यान

यूनिक समय, मथुरा। सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। इस दौरान शिवलिंग पर जलाभिषेक के साथ बेलपत्र अर्पित करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बेलपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। हालांकि पूजा में किसी भी तरह का बेलपत्र चढ़ाने के बजाय सही बेलपत्र का चयन करना जरूरी माना जाता है। कटे, फटे, टूटे या खराब बेलपत्र को पूजा में इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शिवलिंग पर चढ़ाने के लिए तीन पत्तियों वाला बेलपत्र सबसे उपयुक्त माना जाता है। इसकी तीनों पत्तियां स्वस्थ, हरी और साफ होनी चाहिए। बेलपत्र पीला, चितकबरा या अधिक धब्बेदार नहीं होना चाहिए। इसी तरह पत्तियों में कटाव, दरार, टूट–फूट या मुरझाने के निशान नहीं होने चाहिए।

कई बार बेलपत्र में एक पत्ती काफी बड़ी और बाकी दोनों असामान्य आकार की होती हैं। ऐसे बेलपत्र को भी पूजा के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। इसलिए बेलपत्र चुनते समय उसकी तीनों पत्तियों का आकार और स्थिति जरूर देखनी चाहिए। यदि पूजा के समय ताजा बेलपत्र उपलब्ध नहीं है तो चिंता करने की जरूरत नहीं है। मान्यता के अनुसार पहले से शिवलिंग पर चढ़ाए गए बेलपत्र को साफ पानी से धोकर दोबारा अर्पित किया जा सकता है। श्रद्धा और विधि–विधान के साथ की गई पूजा को ही अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। बेलपत्र तोड़ने से पहले बेल वृक्ष को प्रणाम करने की धार्मिक परंपरा है। इसके बाद सावधानी से बेलपत्र तोड़ना चाहिए। मान्यता के अनुसार अष्टमी, नवमी, त्रयोदशी, चतुर्दशी और अमावस्या तिथि पर बेलपत्र नहीं तोड़ना चाहिए। तिथि परिवर्तन के समय भी बेलपत्र तोड़ने से बचने की सलाह दी जाती है। सोमवार को बेलपत्र तोड़ना भी वर्जित माना गया है।

धार्मिक कथाओं में बेलपत्र का विशेष महत्व बताया गया है। समुद्र मंथन से निकले विष का पान करने के बाद भगवान शिव पर उसका प्रभाव पड़ा था। तब देवी–देवताओं ने उनका जलाभिषेक किया और बेलपत्र अर्पित किए। मान्यता है कि इससे विष का प्रभाव कम हुआ। तभी से बेलपत्र भगवान शिव की पूजा में विशेष स्थान रखता है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

सावन की एकादशी पर विष्णु को चढ़ाएं शुभ चीजें

कामिका एकादशी व्रत नौ अगस्त को रखा जाएगा

तुलसी पंचामृत सहित ये भोग माने जाते हैं शुभ

यूनिक समय, मथुरा। सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। इसी पवित्र महीने में आने वाली एकादशी का भी धार्मिक महत्व बताया गया है। सावन के कृष्ण पक्ष की एकादशी को कामिका एकादशी कहा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने की परंपरा है। मान्यता है कि श्रीहरि को उनकी प्रिय वस्तुएं अर्पित करने से घर में सुख–समृद्धि आती है और जीवन में सकारात्मकता बढ़ती है।

पंचांग के अनुसार सावन कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि आठ अगस्त को दोपहर 1:59 बजे शुरू होगी और नौ अगस्त को सुबह 11:04 बजे समाप्त होगी। उदयातिथि के अनुसार कामिका एकादशी का व्रत नौ अगस्त को रखा जाएगा। व्रत का पारण दस अगस्त को सुबह 6:18 से 8 बजे के बीच किया जा सकेगा। कामिका एकादशी पर भगवान विष्णु को पीले फूल और पीले वस्त्र अर्पित करना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इससे आर्थिक परेशानियां दूर होने और समृद्धि बढ़ने के योग बनते हैं। पूजा में पीला चंदन भी अर्पित किया जा सकता है। इसे गुरु ग्रह से जोड़कर देखा जाता है और मान्यता है कि इससे मान–सम्मान बढ़ता है। भगवान विष्णु को तुलसी अत्यंत प्रिय मानी जाती है। इसलिए पूजा और भोग में तुलसी दल जरूर शामिल करना चाहिए। इसके साथ पंचामृत का भोग भी लगाया जाता है। दूध, दही, घी, शहद और चीनी से तैयार पंचामृत में तुलसी दल डालकर भगवान को अर्पित करने की परंपरा है।

कामिका एकादशी पर भगवान विष्णु को मखाने की खीर और केले का भोग भी लगाया जा सकता है। धार्मिक मान्यताओं में इन वस्तुओं को श्रीहरि के प्रिय भोगों में शामिल माना गया है। श्रद्धालु पूजा के दौरान भगवान विष्णु का ध्यान कर अपनी मनोकामना की प्रार्थना कर सकते हैं।

तुलसी के पास न लगाएं ये छह पौधे

शमी, बेल और कांटेदार पौधों से रखें दूरी

ईशान कोण में तुलसी लगाना है शुभ

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को पवित्र और शुभ माना जाता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार इसे घर में सही स्थान पर लगाने के साथ आसपास के पौधों का भी ध्यान रखना चाहिए। कुछ पौधों को तुलसी के बेहद पास लगाने से नकारात्मकता और पारिवारिक तनाव बढ़ने की मान्यता है।

वास्तु के अनुसार तुलसी के पास शमी, बेल और कांटेदार पौधे नहीं लगाने चाहिए। शमी और तुलसी के बीच कम से कम चार–पांच फीट की दूरी रखने की सलाह दी जाती है। कैक्टस जैसे कांटेदार पौधों को भी तुलसी से दूर रखना बेहतर माना जाता है। इसके अलावा नींबू का पौधा, दूधिया रस छोड़ने वाले पौधे और चमेली को भी तुलसी के बिल्कुल पास लगाने से बचने की सलाह दी जाती है।

वास्तु शास्त्र में तुलसी के लिए ईशान कोण यानी उत्तर–पूर्व दिशा को शुभ माना गया है। पौधे को ऐसी जगह रखना चाहिए, जहां पर्याप्त धूप और खुली हवा मिल सके। अंधेरी या अत्यधिक नम जगह तुलसी के लिए उपयुक्त नहीं मानी जाती। हालांकि ये बातें धार्मिक और वास्तु मान्यताओं पर आधारित हैं।

गुरु उदय से तीन राशियों की चमकेगी किस्मत

बारह अगस्त को कर्क राशि में उदित होंगे देवगुरु बृहस्पति

वृषभ, कर्क, मकर जातकों को मिल सकते हैं शुभ अवसर

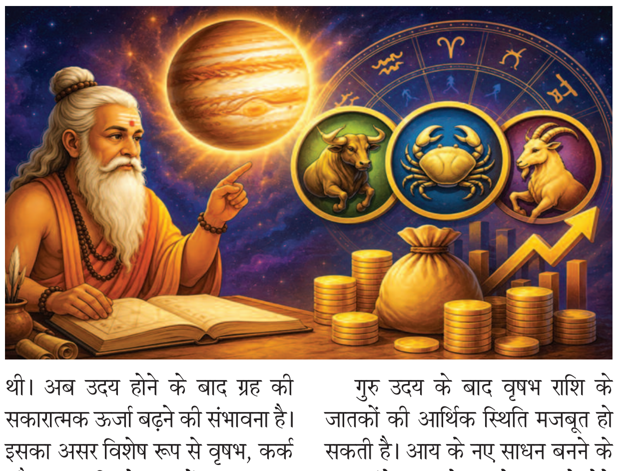

यूनिक समय, मथुरा। वैदिक ज्योतिष में देवगुरु बृहस्पति को ज्ञान, धन, धर्म, भाग्य, संतान और समृद्धि का प्रमुख कारक माना जाता है। ग्रहों की चाल में होने वाला बदलाव सभी राशियों पर किसी न किसी रूप में प्रभाव डालता है। अब बृहस्पति के उदय होने से कई राशियों के लिए परिस्थितियां अनुकूल होने की संभावना जताई जा रही है। ज्योतिष गणना के अनुसार 12 अगस्त को सुबह 5:03 बजे देवगुरु बृहस्पति कर्क राशि में उदित होंगे।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार वर्तमान में बृहस्पति कर्क राशि में अस्त अवस्था में हैं। 15 जुलाई से अस्त होने के कारण उनके शुभ प्रभाव में कमी मानी जा रही थी। अब उदय होने के बाद ग्रह की सकारात्मक ऊर्जा बढ़ने की संभावना है। इसका असर विशेष रूप से वृषभ, कर्क और मकर राशि के जातकों पर शुभ माना जा रहा है।

गुरु उदय के बाद वृषभ राशि के जातकों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। आय के नए साधन बनने के साथ लंबे समय से अटके काम पूरे होने की संभावना है। पुराने निवेश से लाभ या अचानक धन प्राप्ति के योग बन सकते हैं। नौकरी और कारोबार में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। आर्थिक फैसले सोच–समझकर लेने पर भविष्य में अच्छा लाभ मिल सकता है। कर्क राशि में ही गुरु का उदय होने से इस राशि के जातकों को विशेष लाभ मिलने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ सकता है और निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आने के साथ सफलता के रास्ते खुल सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा और मान–सम्मान में भी वृद्धि के संकेत हैं।

मकर राशि के जातकों के लिए भी यह समय सकारात्मक रह सकता है। नौकरी में चल रही परेशानियां कम होने और पदोन्नति के अवसर मिलने के योग हैं। व्यापारियों को नए अवसर मिल सकते हैं। व्यावसायिक यात्राएं लाभदायक रह सकती हैं और आर्थिक परेशानियों से राहत मिलने की संभावना है।

सम्पादकीय

धर्म के दरबार में पदों की कीमत पर उठने लगे सवाल

सनातन धर्म त्याग, तपस्या और सेवा की परंपरा का नाम है। यहां पद पाने की होड़ नहीं, बल्कि पद और प्रतिष्ठा से दूरी ही साधुता की पहचान मानी जाती रही है। लेकिन अगर किसी पड़ताल में महामंडलेश्वर जैसे प्रतिष्ठित पद के बदले रकम और जमीन की बातचीत सामने आती है, तो सवाल केवल कुछ संतों पर नहीं उठता, बल्कि उस पूरी व्यवस्था पर उठता है, जिसे समाज आस्था की निगाह से देखता है।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस कथित सौदेबाजी का तार उत्तर प्रदेश से भी जुड़ता दिखाई देता है। बातचीत में मेरठ, बागपत और उज्जैन की जमीन का जिक्र आता है। यानी धर्म की दुकान कहीं भी खुल सकती है, लेकिन जमीन का हिसाब हो तो यूपी का नाम भी बड़े आत्मविश्वास से लिया जा सकता है। आखिर हमारे यहां जमीन ऐसी चीज है, जो रिश्ते जोड़ने से लेकर आश्रम बनाने तक हर जगह काम आ जाती है।

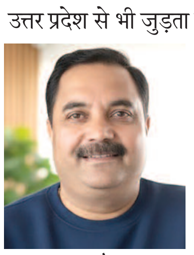

पवन गौतम
संपादक

पड़ताल में कुछ महंतों द्वारा महामंडलेश्वर पद के लिए अलग–अलग शर्तें और रकम की बातचीत सामने आने का दावा किया गया है। कहीं आश्रम के नाम जमीन की बात है, कहीं दक्षिणा के बदले सुविधाओं का संकेत है और कहीं 20 लाख रुपये के व्यवहार का जिक्र। यहां 'व्यवहार' शब्द भी बड़ा संस्कारी है। रकम वही, लेकिन नाम ऐसा कि सुनने वाले को लगे जैसे दान–पुण्य की कोई नई विधि शुरू हो गई हो।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

विडंबना देखिए कि जिस पद के लिए विद्वता, वैराग्य, साधना और सेवा की कसौटी होनी चाहिए, वहां अगर जमीन का आकार और रकम की क्षमता पूछी जाने लगे तो धर्म और बाजार के बीच की दूरी कितनी बचती है? कल को कोई भक्त पूछ सकता है कि महामंडलेश्वर बनने के लिए शास्त्र कितने पढ़ने हैं और रजिस्ट्री कितने बीघे की करानी है।

उत्तर प्रदेश आस्था का बड़ा केंद्र है। काशी, अयोध्या, मथुरा–वृंदावन और प्रयागराज जैसे तीर्थ करोड़ों लोगों की श्रद्धा से जुड़े हैं। ऐसे में धार्मिक संस्थाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष का यह कहना कि पैसे लेकर महामंडलेश्वर बनाना गलत है, इस पूरे विवाद में सबसे महत्वपूर्ण बात है।

धर्म की प्रतिष्ठा किसी पद की कीमत तय करने से नहीं, बल्कि आचरण की कीमत चुकाने से बनती है। यदि कहीं सचमुच पदों का सौदा हो रहा है तो जांच होनी चाहिए और दोषियों पर कार्रवाई भी। क्योंकि आस्था कोई बोली नहीं, जिसे सबसे ऊंची रकम लगाने वाला जीत जाए।

नजरिया

समुद्री तेल खोज से मजबूत होगी ऊर्जा सुरक्षा

बोध प्रकाश सगुणी

भारत की आर्थिक रफ्तार लंबे समय से ऊर्जा की उपलब्धता और उसकी कीमतों पर निर्भर रही है। उद्योगों से लेकर परिवहन तक और खेती से लेकर घरेलू जरूरतों तक पेट्रोलियम उत्पाद अर्थव्यवस्था की धुरी बने हुए हैं। ऐसे में कच्चे तेल के लिए विदेशों पर भारी निर्भरता केवल आर्थिक चुनौती नहीं, बल्कि रणनीतिक चिंता भी है। पश्चिम एशिया में तनाव हो, रूस–यूक्रेन युद्ध का असर हो या अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों में कोई बड़ा व्यवधान, हर संकट भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित करता है। यही वजह है कि देश अब समुद्र की गहराइयों में छिपे तेल और गैस संसाधनों की तलाश को नए स्तर पर ले जा रहा है।

'समुद्र मंथन' राष्ट्रीय अपतटीय अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य केवल कुछ नए तेल कुएं तलाशना नहीं, बल्कि भारत के समुद्री क्षेत्रों को वैज्ञानिक और तकनीकी तरीके से समझना है। सरकार ने अन्वेषण को गति देने के लिए आंकड़ों, आधुनिक भूकंपीय सर्वेक्षण तकनीक और गहरे समुद्र में ड्रिलिंग की क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार इस अभियान के तहत डेटा आधारित अन्वेषण को बढ़ने के लिए उद्योग और वैश्विक तकनीकी विशेषज्ञों के साथ भी काम किया जा रहा है।

यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत दुनिया के बड़े कच्चे तेल उपभोक्ताओं में शामिल है। घरेलू उत्पादन और खपत के बीच बड़ा अंतर होने के कारण देश को आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत बढ़ने का सीधा असर भारत के आयात बिल, व्यापार संतुलन और अंततः आम उपभोक्ता की जेब पर पड़ता है। यदि घरेलू स्तर पर तेल और गैस के नए व्यावसायिक भंडार मिलते हैं तो आयात पर निर्भरता में कमी लाई जा सकती है। हालांकि यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि भारत अचानक किसी तेल संपन्न खाड़ी देश की बराबरी करने लगेगा।

दरअसल, समुद्र में तेल खोज जमीन पर कुआं खोदने जितना सरल काम नहीं है। पहले व्यापक भूकंपीय सर्वेक्षण से समुद्र की सतह के नीचे मौजूद चट्टानों की संरचना को समझा जाता है। इसके बाद संभावित क्षेत्रों की पहचान होती है और फिर महंगे अन्वेषण कुओं की ड्रिलिंग की जाती है। इनमें सफलता की कोई गारंटी नहीं होती। कई बार करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी व्यावसायिक मात्रा में तेल या गैस नहीं मिलती। इसलिए इस अभियान को उम्मीद और जोखिम, दोनों के नजरिये से देखना चाहिए।

जुलाई 2026 में महानदी अपतटीय बेसिन में पहले मूल्यांकन कुएं की ड्रिलिंग शुरू होना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सरकारी जानकारी के अनुसार यह चार नियोजित गहरे पानी के कुओं में पहला है, जिनके जरिए इस संभावित अपतटीय क्षेत्र का व्यवस्थित मूल्यांकन किया जाना है। सरकार का जोर केवल नए भंडार खोजने पर नहीं, बल्कि मौजूदा क्षेत्रों से उत्पादन बढ़ाने और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर भी है।

गहरे समुद्र की खोज में तकनीक सबसे बड़ा आधार है। समुद्र की अत्यधिक गहराई, दबाव, मौसम और संचालन की कठिन परिस्थितियां इसे महंगा और जटिल बनाती हैं। एक ड्रिलिंग अभियान में जहाज, विशेषज्ञ इंजीनियर, भूवैज्ञानिक, समुद्री वैज्ञानिक और अत्याधुनिक उपकरण लंबे समय तक काम करते हैं। इसलिए यहां एक छोटी तकनीकी चूक भी बड़ा आर्थिक नुकसान कर सकती है। भारत के लिए यह अभियान केवल तेल की खोज नहीं, बल्कि अपनी समुद्री इंजीनियरिंग और अन्वेषण क्षमता को मजबूत करने का अवसर भी है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या समुद्र से मिलने वाला तेल भारत को ऊर्जा के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर बना सकता है? इसका उत्तर फिलहाल नहीं है। घरेलू उत्पादन बढ़ने से आयात निर्भरता कम हो सकती है, लेकिन ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए केवल नए तेल भंडार पर्याप्त नहीं होंगे। भारत को प्राकृतिक गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, विद्युत परिवहन, ऊर्जा दक्षता और हरित ईंधन जैसे विकल्पों को भी समान गति से आगे बढ़ाना होगा।

यहां नीति की असली परीक्षा भी सामने आती है। यदि समुद्री खोज में बड़ी मात्रा में संसाधन मिलते हैं तो उनका दोहन पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप होना चाहिए। समुद्री पारिस्थितिकी, मछुआरों की आजीविका और तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा से समझौता करके ऊर्जा सुरक्षा हासिल नहीं की जा सकती। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन इस अभियान की सफलता का महत्वपूर्ण पैमाना होगा।

इसके साथ पारदर्शिता भी जरूरी है। अन्वेषण पर होने वाला सार्वजनिक खर्च, मिले संसाधनों का अनुमान, व्यावसायिक उत्पादन की लागत और वास्तविक उत्पादन क्षमता जैसे आंकड़े समय–समय पर सार्वजनिक किए जाने चाहिए। इससे यह स्पष्ट होगा कि कौन–सी परियोजना आर्थिक रूप से व्यवहार्य है और कहां जोखिम अधिक है। तेल खोज की सफलता को केवल कुओं की संख्या से नहीं, बल्कि वास्तविक उत्पादन और आयात में आई कमी से मापा जाना चाहिए।

भारत के लिए 'समुद्र मंथन' का सबसे बड़ा महत्व इसी व्यापक दृष्टिकोण में है। समुद्र की गहराई में छिपे संसाधनों की तलाश देश को ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में अतिरिक्त विकल्प दे सकती है। यदि खोज सफल होती है तो विदेशी मुद्रा की बचत, घरेलू उद्योग को स्थिर ऊर्जा आपूर्ति और रणनीतिक स्वतंत्रता जैसे लाभ मिल सकते हैं। लेकिन इसे किसी नए 'सऊदी अरब' बनने की कहानी के बजाय भारत की ऊर्जा जरूरतों को संतुलित करने वाली दीर्घकालीन रणनीति के रूप में देखना अधिक उचित होगा। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि समुद्र की गहराइयों में भारत को कितना तेल और गैस मिलता है। उससे भी महत्वपूर्ण यह होगा कि भारत उन संसाधनों का कितनी दक्षता, जिम्मेदारी और आर्थिक समझदारी से उपयोग करता है। ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता किसी एक खोज या किसी एक योजना से हासिल नहीं होगी। इसके लिए घरेलू उत्पादन, विविध आयात स्रोत, स्वच्छ ऊर्जा और तकनीकी क्षमता–इन सभी का संतुलित विकास जरूरी है।

इस लिहाज से 'समुद्र मंथन' उम्मीद की एक नई लहर जरूर है, लेकिन इसे चमत्कार मानना उचित नहीं होगा। समुद्र में कुएं खोदना शुरुआत है, मंजिल नहीं। असली उपलब्धि तब होगी जब भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बाहरी परिस्थितियों से कम प्रभावित हो, घरेलू संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करे और भविष्य की अर्थव्यवस्था को सुरक्षित, टिकाऊ और आत्मनिर्भर ऊर्जा आधार दे। यही इस समुद्री अभियान की सबसे बड़ी कसौटी होगी।

विचार विंडो

निपुण परिवार की नींव संस्कारों से ही होती है मजबूत

राम प्रकाश वर्मा

आज के समय में परिवार के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक समृद्धि हासिल करना नहीं है, बल्कि ऐसा वातावरण बनाना है, जहां हर सदस्य जीवन की बदलती परिस्थितियों के साथ खुद को बेहतर बना सके। इसी संदर्भ में 'निपुण परिवार' की अवधारणा महत्वपूर्ण हो जाती है। निपुण परिवार का अर्थ केवल पढ़ा–लिखा, कमाऊ या सुविधाओं से संपन्न परिवार नहीं है। असली निपुणता तब आती है, जब परिवार के सदस्य संस्कारवान, स्वस्थ, समृद्ध, सामर्थ्यवान और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति वाले हों। परिवार समाज की पहली पाठशाला है। बच्चा सबसे पहले बोलना, व्यवहार करना, दूसरों का सम्मान करना और परिस्थितियों का सामना करना परिवार से सीखता है। इसलिए परिवार की मजबूती केवल मकान, बैंक खाते या आधुनिक सुविधाओं से नहीं मापी जा सकती। उसका वास्तविक मूल्य इस बात से तय होता है कि मुश्किल समय में परिवार के सदस्य एक–दूसरे के साथ कितनी मजबूती से खड़े रहते हैं। निपुण परिवार के लिए पांच बातें विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं–संस्कार, स्वास्थ्य, समृद्धि, सामर्थ्य और निरंतर सीखने की भावना। संस्कार परिवार को जोड़ते हैं, स्वास्थ्य जीवन को गति देता है, समृद्धि आवश्यकताओं को पूरा करने का आधार देती है, सामर्थ्य कठिनाइयों से लड़ने की ताकत देता है और सीखने की आदत व्यक्ति को समय के साथ आगे बढ़ाती है। इन पांचों में से किसी एक को भी नजरअंदाज करने पर परिवार की प्रगति अधूरी रह सकती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि परिवार में हर उम्र के लोग होते हैं। बुजुर्गों के पास अनुभव होता है तो युवाओं के पास ऊर्जा और नई सोच। बच्चों के पास सवाल होते हैं तो नई पीढ़ी के पास तकनीक और बदलती दुनिया को समझने की क्षमता। इसलिए परिवार में यह सोच खतरनाक है कि 'हमने जीवन देखा है, इसलिए हम ही सही हैं।' दूसरी तरफ युवाओं के लिए यह मान लेना भी ठीक नहीं कि 'बड़े लोग पुरानी सोच के हैं, हमें सब अपने तरीके से करना है।'

पीढ़ियों के बीच संवाद ही परिवार की असली ताकत बन सकता है। अनुभव और नई सोच जब एक–दूसरे से जुड़ते हैं, तब परिवार अधिक सक्षम बनता है। इसके लिए एक सरल लेकिन प्रभावी प्रयोग किया जा सकता है–अपने बचपन की ओर लौटिए। हर व्यक्ति के भीतर एक 'इनर चाइल्ड' होता है। बचपन की यादें केवल भावनात्मक स्मृतियां नहीं होतीं, उनमें हमारे व्यक्तित्व और व्यवहार की कई परतें छिपी होती हैं। विशेषकर भाई–बहनों के साथ बिताया समय हमें रिश्तों की असली भाषा सिखाता है। कभी छोटी–सी बात पर झगड़ा, कभी एक–दूसरे के लिए खड़ा होना, कभी शरारत में सीमा पार करना और कभी बिना कहे एक–दूसरे की मदद करना–ये सभी अनुभव आज भी हमारे भीतर मौजूद होते हैं।

परिवार के सभी सदस्य अपने बचपन की पांच या दस ऐसी घटनाएं लिखें, जो उन्हें आज भी याद हैं। इसके बाद उन घटनाओं को वर्तमान नजरिये से देखें। तब समझ आएगा कि उस समय हमने कहां नादानी की, कहां समझदारी दिखाई और कहां केवल भावनाओं में बह गए। यह अभ्यास आत्ममंथन का माध्यम बन सकता है। मसलन, बचपन में भाई से हुई किसी छोटी लड़ाई को याद करके आज यह समझा जा सकता है कि विवाद कितना छोटा था और रिश्ता कितना बड़ा। किसी पुराने डर को याद करके महसूस हो सकता है कि समय के साथ वही डर कैसे खत्म हुआ। किसी गलती को याद करके यह भी समझ आएगा कि असफलता हमेशा नुकसान नहीं होती, कई बार वही भविष्य की समझदारी की पहली सीढ़ी बन जाती है।

ऐसी यादों पर परिवार में बातचीत शुरू हो तो पीढ़ियों के बीच दूरी भी कम होगी। दादा–दादी अपने संघर्षों की कहानी बताएंगे, माता–पिता अपनी गलतियों और उपलब्धियों को साझा करेंगे और बच्चे अपनी उलझनों को खुलकर सामने रख सकेंगे। परिवार में उपदेश कम और संवाद अधिक होगा। यही वातावरण आत्मविश्वास पैदा करता है। जीवन में समझौते और संघर्ष दोनों आते हैं। हर इच्छा पूरी नहीं होती और हर रास्ता आसान नहीं होता। जो व्यक्ति अपने अनुभवों से सीखना जानता है, वह कठिन परिस्थितियों में जल्दी टूटता नहीं। परिवार भी इसी तरह मजबूत होता है। जब सदस्य एक–दूसरे की गलतियों पर केवल आलोचना करने के बजाय उनसे सीखने की कोशिश करते हैं तो परिवार में भरोसा बढ़ता है। आज संयुक्त परिवारों की संरचना भले बदल रही हो, लेकिन परिवार का महत्व कम नहीं हुआ है। डिजिटल युग में लोग एक ही घर में रहते हुए भी अलग–अलग दुनिया में व्यस्त हो सकते हैं। ऐसे समय में साझा संवाद और आत्ममंथन की जरूरत और बढ़ जाती है। परिवार के लिए सप्ताह में एक दिन ऐसा तय किया जा सकता है, जब मोबाइल और कामकाज से अलग होकर सभी सदस्य अपने अनुभव साझा करें। निपुण परिवार बनाने के लिए कोई महंगा प्रशिक्षण जरूरी नहीं। इसके लिए घर में सीखने, सुनने, स्वीकार करने और बदलने की संस्कृति चाहिए। बुजुर्ग अनुभव दें, युवा नई दृष्टि दें और बच्चे सवाल पूछें–तो परिवार स्वयं एक जीवंत विद्यालय बन सकता है। आखिर निपुणता केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने या अधिक धन कमाने का नाम नहीं है। निपुणता यह समझने का नाम है कि जीवन में सफलता और असफलता दोनों से कैसे सीखा जाए, रिश्तों को कैसे संभाला जाए और संकट के समय खुद के साथ दूसरों का सहारा कैसे बना जाए। यदि परिवार के प्रत्येक सदस्य में यह क्षमता विकसित हो जाए तो घर केवल रहने की जगह नहीं रहेगा, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की सबसे मजबूत पाठशाला बन जाएगा। इसलिए 'निपुण परिवार' बनाने का प्रयोग आज से ही शुरू किया जा सकता है। बचपन की कुछ यादें निकालिए, उन्हें परिवार के साथ साझा कीजिए और पूछिए–हमने तब क्या सीखा था, और आज उससे क्या सीख सकते हैं? संभव है कि इन छोटी–छोटी यादों में परिवार को मजबूत बनाने का सबसे बड़ा सूत्र छिपा हो।

टेस्ट सीरीज से पहले भारत को बड़ा झटका

श्रीलंका दौरे से पहले चोटिल साई सुदर्शन हुए बाहर

बुमराह, सुंदर, गिल की चोट ने बढ़ाई चिंता

सुंदर और गिल की फिटनेस ने भी बढ़ाई चिंता

यूनिक समय, नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होने से पहले भारतीय क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज साई सुदर्शन चोट के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। टीम में चयन के समय से ही उनकी फिटनेस को लेकर सवाल थे, लेकिन पूरी तरह फिट नहीं हो पाने के कारण अब उन्हें सीरीज से बाहर होना पड़ा है।

साई सुदर्शन के दाएं पैर में तनाव संबंधी परेशानी थी। वह इससे उबरने के लिए लगातार प्रयास कर रहे थे और तेजी से सुधार भी कर रहे थे। हालांकि, अंगूठे का दर्द दोबारा उभरने के बाद टीम प्रबंधन ने उन्हें सीरीज से बाहर रखने का फैसला किया। इससे भारतीय टीम की बल्लेबाजी को लेकर नई चिंता खड़ी हो गई है।

साई सुदर्शन से पहले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी चोट के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर हो चुके हैं। दोनों खिलाड़ियों का चयन टीम में किया गया था, लेकिन उनकी फिटनेस को लेकर पहले से ही संशय बना हुआ था। अब सुदर्शन के बाहर होने के बाद भारतीय टीम में उनकी जगह किस खिलाड़ी को शामिल किया जाएगा, इस पर नजर रहेगी।

सुदर्शन को शीर्ष क्रम में महत्वपूर्ण बल्लेबाज माना जा रहा था। ऐसे में उनके बाहर होने से टीम संयोजन पर भी असर पड़ सकता है। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को बल्लेबाजी क्रम को लेकर नए विकल्पों पर विचार करना होगा।

भारतीय टीम पहले से ही कई खिलाड़ियों की चोट से जूझ रही है। ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर भी चोट के कारण सीरीज के पहले टेस्ट में उपलब्ध नहीं रहेंगे। वहीं कप्तान शुभमन गिल भी चोटिल हैं। इसी वजह से वह श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के खिलाफ अभ्यास मैच में मैदान पर नहीं उतरे।

टीम प्रबंधन अभ्यास मैच में शुभमन गिल को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता था। लगातार खिलाड़ियों के चोटिल होने से कोच गौतम गंभीर की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। अब टीम प्रबंधन की प्राथमिकता खिलाड़ियों की फिटनेस सुनिश्चित करने के साथ मजबूत अंतिम एकादश तैयार करना होगी।

आकांक्षा हटाना चाहती हैं गौरव खन्ना का नाम इंस्टाग्राम से

यूजरनेम बदलने को मेटा इंडिया से मांगी मदद

कई प्रयासों के बावजूद भी नहीं बदल पाया यूजरनेम

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेत्री आकांक्षा चमोला इन दिनों अपने सोशल मीडिया यूजरनेम को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम से अपने यूजरनेम में जुड़े पति और अभिनेता गौरव खन्ना के नाम को हटाने की इच्छा जताई है। इसके लिए उन्होंने मेटा इंडिया से मदद मांगी है। आकांक्षा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए मेटा, मेटा इंडिया और इंस्टाग्राम को टैग किया। उन्होंने बताया कि कई बार कोशिश करने के बावजूद वह अपना यूजरनेम बदल नहीं पा रही हैं। अभिनेत्री ने कंपनी से इस मामले को देखने और समाधान उपलब्ध कराने की अपील की है। उन्होंने इस संबंध में मेटा को एक आधिकारिक पत्र भी भेजा है।

यह मामला रियलिटी शो 'लॉक अप 2' के खत्म होने के कुछ समय बाद सामने आया है। शो के दौरान आकांक्षा ने अपने और गौरव खन्ना के रिश्ते को लेकर कई खुलासे किए थे। उन्होंने बताया था कि दोनों करीब एक साल से अलग रह रहे हैं और भविष्य को लेकर अलग-अलग रास्ते चुनने पर विचार कर रहे हैं। शो के दौरान गौरव खन्ना भी आकांक्षा से मिलने पहुंचे थे। उस दौरान उन्होंने कहा था कि तलाक को लेकर अभी कोई आधिकारिक प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। आकांक्षा और गौरव की शादी वर्ष 2016 में हुई थी।

कर्मा में अनुपम खेर नहीं थे सुभाष घई की पहली पसंद

अमरीश पुरी के बाद मिला खलनायक का किरदार

फिल्म सफल हुई तो खुल गए फिल्मों के रास्ते

यूनिक समय, नई दिल्ली। साल 1986 में रिलीज हुई सुभाष घई की फिल्म 'कर्मा' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की थी। दिलीप कुमार, नूतन, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी और नसीरुद्दीन शाह जैसे सितारों से सजी इस फिल्म में अनुपम खेर ने खलनायक की भूमिका निभाई थी। खास बात यह थी कि इस किरदार के लिए अनुपम खेर निर्देशक की पहली पसंद नहीं थे।

खलनायक के किरदार के लिए सुभाष घई की पहली पसंद अमरीश पुरी थे। हालांकि, घई को लगा कि अमरीश पुरी फिल्मों में कई बार मर चुके हैं और दोबारा वही सिलसिला दर्शकों के लिए उतना प्रभावी नहीं रहेगा। इसके बाद अनुपम खेर को इस भूमिका के लिए चुना गया। उन्होंने अपने अभिनय से किरदार में जान डाल दी और दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई।

अनुपम खेर ने फिल्म की सफलता को अपने करियर का अहम मोड़ बताया। उनके अनुसार 'सारांश' ने उन्हें पहला बड़ा अवसर दिया था, लेकिन 'कर्मा' उनकी पहली व्यावसायिक सफलता बनी। फिल्म के ब्लॉकबस्टर होते ही उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई। देशभक्ति, शानदार एक्शन और यादगार संगीत से सजी 'कर्मा' आज भी हिंदी सिनेमा की चर्चित फिल्मों में शामिल है।

स्पाइडर-मैन का जलवा कायम जीडीएन की फीकी शुरुआत

दूसरे हफ्ते भी स्पाइडर मैन ने पकड़ी मजबूत रफ्तार

माधवन की फिल्म पहले दिन करोड़ तक भी नहीं पहुंची

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर इस समय हॉलीवुड की फिल्म 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' का दबदबा कायम है। रिलीज के दूसरे हफ्ते में भी टॉम हॉलैंड की फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच रही है। वहीं आर. माधवन की बायोग्राफिकल फिल्म 'जीडीएन' ने सात अगस्त को रिलीज के साथ धीमी शुरुआत की।

फिल्म ने दूसरे शुक्रवार यानी नौवें दिन भारत में करीब 14.50 करोड़ रुपये नेट कमाए। इसके साथ ही भारत में फिल्म का नेट कारोबार लगभग 349.25 करोड़ रुपये पहुंच गया है। ग्रॉस कलेक्शन भी 417 करोड़ रुपये के पार बताया जा रहा है। फिल्म अब 350 करोड़ रुपये नेट के आंकड़े से बेहद करीब है। आर. माधवन अभिनीत 'जीडीएन' मशहूर वैज्ञानिक और आविष्कारक जी.डी. नायडू के जीवन से प्रेरित फिल्म है। हालांकि पहले दिन दर्शकों की प्रतिक्रिया कम रही। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार फिल्म ने भारत में करीब 53 लाख रुपये नेट और लगभग 59 लाख रुपये ग्रॉस कमाए। तमिल संस्करण से करीब 46 लाख और तेलुगु संस्करण से लगभग सात लाख रुपये की कमाई हुई। शनिवार को फिल्म की कमाई बढ़ने की उम्मीद है।

गोविंदा संग एयरपोर्ट पर दिखीं अभिनेत्री कोमल

सुनीता पहले भी कोमल के नाम पर जता चुकी है नाराजगी

यूनिक समय, मुंबई। अभिनेता गोविंदा एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर अभिनेत्री कोमल रानी स्वर्णकार के साथ देखा गया। दोनों एयरपोर्ट परिसर में साथ-साथ चलते नजर आए। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग कोमल को लेकर सवाल करने लगे।

गोविंदा इस दौरान काले रंग की पोशाक में नजर आए, जबकि कोमल सफेद परिधान में दिखाई दीं। सामने आई जानकारी के अनुसार कोमल रानी स्वर्णकार ग्लैमर जगत का नया चेहरा हैं और उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखती हैं। वह गोविंदा की आगामी फिल्म 'रूपा' से बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं।

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा पहले एक बातचीत में कोमल नाम की लड़की का जिक्र कर चुकी हैं। उन्होंने कथित रिश्ते को लेकर नाराजगी जताई थी। हालांकि, एयरपोर्ट पर गोविंदा और कोमल के साथ नजर आने को लेकर किसी रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं को फिलहाल सिर्फ अटकलों के तौर पर देखा जा रहा है।

अभ्यास मैच में बांग्लादेश की बल्लेबाजी बुरी तरह ढही

दूसरी पारी में सिर्फ 54 रन पर सिमटी

थॉम्पसन ने आठ विकेट लेकर बल्लेबाजी ध्वस्त की

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रही बांग्लादेश क्रिकेट टीम को तीन दिवसीय अभ्यास मैच में करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। डार्विन में खेले गए मुकाबले में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन ने बांग्लादेश को पारी और 38 रन से हरा दिया। मुकाबले की दूसरी पारी में बांग्लादेश की बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई और पूरी टीम महज 54 रन पर ऑलआउट हो गई।

बांग्लादेश ने पहली पारी में मेहदी हसन मिराज के शानदार नाबाद शतक की बदौलत 263 रन बनाए थे। इसके जवाब में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन ने तेग वायली की 130 रन की बेहतरीन पारी के दम पर 355 रन बनाए। इस तरह मेजबान टीम ने पहली पारी में 92 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली।

92 रन से पिछड़ने के बाद बांग्लादेश की टीम जब दूसरी पारी में उतरी तो उसके बल्लेबाज शुरुआत से ही दबाव में नजर आए। विकेट लगातार गिरते रहे और कोई भी बल्लेबाज लंबी पारी नहीं खेल सका। सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन ने सर्वाधिक 22 रन बनाए, जबकि उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका।

बांग्लादेश की पूरी पारी सिर्फ 22 ओवर में 54 रन पर सिमट गई। इस प्रदर्शन ने टेस्ट सीरीज से पहले टीम की बल्लेबाजी की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। खासकर ऑस्ट्रेलिया की तेज और अनुशासित गेंदबाजी के सामने बांग्लादेशी बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन के युवा गेंदबाज कैम्पबेल थॉम्पसन ने बांग्लादेश की दूसरी पारी को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने 11 ओवर में सिर्फ 25 रन देकर आठ विकेट हासिल किए और दो मेडन ओवर भी डाले। रोचिचिओली ने दो विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। उन्होंने चार ओवर में छह रन दिए।

खास बात यह रही कि थॉम्पसन और रोचिचिओली दोनों ने अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है। बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 13 अगस्त से खेला जाएगा। अभ्यास मैच में मिली हार के बाद बांग्लादेश को अपनी बल्लेबाजी पर गंभीरता से काम करना होगा।

भगवा ड्रेस पर सवाल, प्रिया प्रकाश ने दिया करारा जवाब

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'विंक गर्ल' के नाम से मशहूर अभिनेत्री प्रिया प्रकाश वॉरियर इन दिनों अपने एक वीडियो को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में वह नारंगी रंग की ड्रेस पहनकर पहुंचीं। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने उनके कपड़ों के रंग को लेकर सवाल कर दिया। शख्स ने प्रिया से पूछा कि उन्होंने भगवा रंग क्यों पहना है। अभिनेत्री ने शांत अंदाज में जवाब दिया कि इस ड्रेस में आखिर परेशानी क्या है। इसके बाद उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने नारंगी रंग अपनी पसंद से नहीं, बल्कि जिस ब्रांड

का प्रचार कर रही थीं, उसके अनुरूप चुना था। उनके जवाब से यह भी साफ हुआ कि ड्रेस का उद्देश्य कोई राजनीतिक या धार्मिक संदेश देना नहीं था। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर कई लोगों ने अभिनेत्री के संयम और जवाब देने के तरीके की तारीफ की।

सीमा पार से जाली नोटों की यूपी में बड़ी खेप पकड़ी

यूनिक समय, लखनऊ। भारत–बांग्लादेश सीमा से शुरू हुआ जाली नोटों का नेटवर्क उत्तर प्रदेश तक पहुंच गया है। पश्चिम बंगाल के मालदा से जाली भारतीय मुद्रा लाकर प्रदेश के अलग–अलग जिलों में खपाने वाले नेटवर्क का यूपी एटीएस ने पर्दाफाश किया है। एटीएस ने कासगंज निवासी दो आरोपियों को लखनऊ से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 500 रुपये के 201 जाली नोट बरामद किए हैं। बरामद नोटों की कीमत एक लाख 500 रुपये है।

एटीएस को जानकारी मिली थी कि कासगंज के कुछ लोग पश्चिम बंगाल के मालदा से जाली नोटों की खेप

लेकर उत्तर प्रदेश आ रहे हैं। इसके बाद एजेंसी ने संदिग्धों की गतिविधियों की निगरानी शुरू की। जांच में नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाने के बाद सात अगस्त को लखनऊ में कार्रवाई की गई। एटीएस ने गंजडुंडवारा थाना क्षेत्र के गणेशपुर गांव निवासी अजीम खान और राजा उर्फ समीरुल को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान दोनों के पास से 500 रुपये के 201 जाली नोट बरामद हुए। नोटों की जांच के लिए

मालदा से कासगंज तक पहुंच रही थी नकली मुद्रा की खेप

लखनऊ में दबोचे गए कासगंज के दोनों आरोपी

भेजा गया। भारतीय रिजर्व बैंक के मानकों के आधार पर हुई जांच में सभी नोट नकली पाए गए।

पूछताछ में आरोपियों से जाली नोटों की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। एटीएस यह पता लगाने में लगी है कि मालदा से जाली नोटों की खेप किन लोगों के जरिए उत्तर प्रदेश पहुंचती थी और यहां किस–किस जिले में इन्हें खपाया जाता था। दोनों आरोपियों के खिलाफ एटीएस लखनऊ थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच एजेंसी अब जाली नोटों के स्रोत, सप्लाई चैन और प्रदेश में इनके वितरण से जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है। पूछताछ में मिले सुरागों के आधार पर नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। एटीएस की जांच आगे बढ़ने के साथ जाली मुद्रा के इस नेटवर्क से जुड़े और नाम सामने आने की संभावना है।

यूपी में बारिश से बिगड़े हालात, घर नदी में समाए

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और बाढ़ से कई जिलों में हालात बिगड़ गए हैं। फर्रुखाबाद में गंगा नदी के कटान से शनिवार को एक मकान नदी में समा गया। पिछले दो दिनों में आठ घर नदी में समा चुके हैं। जिले के 30 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में हैं और कई गांवों का संपर्क टूट गया है। ग्रामीण नाव, ट्रैक्टर और बैलगाड़ी से आवाजाही कर रहे हैं।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से मणिकर्णिका घाट तक पानी पहुंच गया है। सभी 84 घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। रत्नेश्वर महादेव मंदिर का भी काफी हिस्सा पानी में डूब गया है। बिजनौर में गंगा का पानी स्टेट हाईवे के

गंगा–सरयू उफान पर, कई गांवों का संपर्क टूटा

वाराणसी में घाट डूबे आगरा में गिरा मकान

ऊपर से बह रहा है, जबकि बलिया में सरयू नदी के कटान से कई मकान प्रभावित हुए हैं। आगरा में बारिश के दौरान दो मंजिला मकान गिर गया, हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। मौसम विभाग ने प्रदेश के 66 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। दक्षिणी यूपी में अगले चार दिनों के दौरान भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

काम हुआ तो किसान सब्जी लेकर डीएम के पास पहुंचा

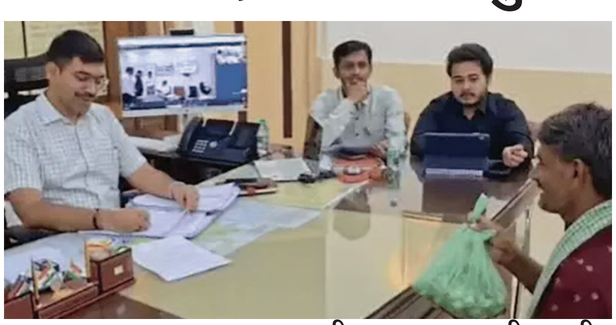

यूनिक समय, आगरा। सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटते–काटते परेशान एक किसान की समस्या जब डीएम की पहल से हल हुई तो वह आभार जताने अनोखा तोहफा लेकर पहुंच गया। आगरा के किसान रामप्रकाश शुक्रवार को करीब एक किलो ककोड़े लेकर जिलाधिकारी मनीष बंसल के कार्यालय पहुंचे। उन्होंने डीएम को सब्जी देते हुए कहा कि साहब, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। मेरा काम हो गया, इसलिए खेत की सब्जी आपके लिए लाया हूं। किसान की भावुकता देखकर डीएम भी मुस्कुरा उठे। उन्होंने कहा कि यह तो अनमोल तोहफा है, इसे कैसे मना कर सकता हूं। डीएम ने किसान का उपहार स्वीकार कर लिया। बाह तहसील क्षेत्र के बसई अरेला निवासी रामप्रकाश अपनी जमीन की पैमाइश के लिए करीब

तीन साल बाद जमीन नापी तो किसान हुआ भावुक

तीन साल से परेशान थे। उनका आरोप था कि राजस्व निरीक्षक और लेखपाल शिकायत के बावजूद मामले को टाल रहे थे। छह जुलाई को समाधान दिवस में उन्होंने डीएम के सामने शिकायत रखी। डीएम ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए तत्काल पैमाइश कराने के निर्देश दिए। निर्देश के बाद जमीन की पैमाइश हो गई। इसी से खुश होकर किसान डीएम को धन्यवाद देने पहुंचा। डीएम ने सभी राजस्व अधिकारियों को जनसुनवाई में शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश भी दिए। ककोड़ा बारिश के मौसम में मिलने वाली महंगी जंगली सब्जी है, जिसे लोग स्वाद और स्वास्थ्य लाभ के लिए पसंद करते हैं।

प्रयागराज पहुंचे राहुल गांधी छात्रों से करेंगे संवाद

यूनिक समय, प्रयागराज। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को छात्रों से संवाद करने प्रयागराज पहुंचे। करीब डेढ़ बजे विशेष विमान से पहुंचने पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद राहुल गांधी अपने पैतृक निवास स्वराज भवन पहुंचे।

राहुल गांधी शाम छह बजे केपी ग्राउंड में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में छात्रों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम को लेकर कई दिनों से तैयारियां चल रही हैं। बड़ी संख्या में छात्र कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने लगे हैं और पंजीकरण भी किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, यह कार्यक्रम छात्रों और युवाओं से सीधे संवाद पर केंद्रित है। प्रयागराज में बारिश

बारिश से कार्यक्रम स्थल पर जलभराव,रास्ते कीचड़ में

के कारण राहुल गांधी के कार्यक्रम स्थल केपी ग्राउंड में जलभराव की स्थिति बन गई है। मुख्य मार्ग पर कीचड़ और मिट्टी फैलने से कार्यक्रम में पहुंचने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। इसके बावजूद छात्रों की भीड़ लगातार जुट रही है। राहुल गांधी के स्वागत के लिए सिविल लाइंस समेत शहर के कई इलाकों में पोस्टर और बैनर लगाए गए हैं। वहीं, उनके विरोध में लगाए गए पोस्टरों को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हटाया। इलाहाबाद के सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने भी राहुल गांधी से मुलाकात कर उनका स्वागत किया। प्रयागराज पहुंचने से पहले सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी की गई है।

अबान के जनाजे में पहुंचा उमर

यूनिक समय, प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के बेटे अबान के जनाजे में शामिल होने के लिए उसके भाई अली और उमर को पैरोल पर जेल से बाहर लाया गया। लखनऊ जेल से उमर दोपहर करीब साढ़े 12 बजे पुलिस सुरक्षा में प्रयागराज के लिए रवाना हुआ। वहीं अली को शनिवार सुबह झांसी जेल से करीब 30 पुलिसकर्मियों की सुरक्षा में प्रयागराज लाया जा रहा है। दोनों की वैन पर पर्दे लगाए गए हैं।

अली और उमर को सीधे कसारी–मसारी कब्रिस्तान ले जाया जाएगा। वहां वे पुलिस की मौजूदगी में अपने भाई अहजम और बुआ परवीन कुरैशी से मुलाकात करेंगे।

इसके बाद दोनों को वापस जेल भेजा जाएगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दोनों को चार शर्तों के साथ पैरोल दी है। उन्हें मीडिया से बातचीत, सामाजिक माध्यमों पर गतिविधि, सार्वजनिक सभा

भारी सुरक्षा में दोनों भाइयों को प्रयागराज लाया गया

कब्रिस्तान में पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

और किसी कार्यक्रम में शामिल होने से रोक दिया गया है।

अबान की गुरुवार को झांसी में सड़क हादसे में मौत हुई थी। वह अपने भाई अली से मिलने जा रहा था। हादसे में उसके एक दोस्त की भी मौत हुई थी। अबान को अतीक की कब्र के पास दफनाया जाएगा। अंतिम संस्कार को लेकर कब्रिस्तान में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई स्तर की बैरिकेडिंग की गई है।

मेरठ में कांवड़ियों पर बरसे फूल,योगी ने गिनाए आंकड़े

यूनिक समय, मेरठ। कांवड़ यात्रा के दौरान शनिवार को मेरठ पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। भगवा वस्त्रों में हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों के बीच मुख्यमंत्री ने यात्रा की आस्था और व्यापकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सावन शिवरात्रि तक हरिद्वार से करीब चार से साढ़े चार करोड़ कांवड़िए पवित्र गंगाजल लेकर अपने–अपने क्षेत्रों में पहुंचेंगे और शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे।

सावन शिवरात्रि तक करोड़ों शिवभक्त करेंगे जलाभिषेक

सरकार ने सुरक्षा और सुविधाओं को बताया प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की भक्ति और श्रद्धा का पर्व है। हरिद्वार की हर की पौड़ी से गंगाजल लेकर शिवभक्त कठिन यात्रा करते हुए अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। इस दौरान मेरठ में मुख्यमंत्री ने हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाईं। पुष्पवर्षा से कांवड़ मार्ग पर मौजूद श्रद्धालुओं में उत्साह नजर आया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार कांवड़ यात्रा को लेकर पूरी तरह सजग है। शिवभक्तों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम यात्रा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से कांवड़ियों का स्वागत और अभिनंदन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने यात्रा को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित न बताते हुए इसे सामाजिक एकता और समरसता का भी प्रतीक बताया। उनके अनुसार अलग–अलग क्षेत्रों और पृष्ठभूमि से आने वाले शिवभक्त एक साथ कांवड़ यात्रा में शामिल होकर समाज में एकता का संदेश दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़िए जाति, प्रांत और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर भगवान शिव की भक्ति में आगे बढ़ रहे हैं।

उनकी आस्था सामाजिक समानता और राष्ट्रीय एकता का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा में शामिल प्रत्येक शिवभक्त की भावना भगवान शिव के प्रति समर्पित है और यही इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता है।

भाजपा ने यूपी में क्षेत्रीय प्रभारियों की नई सूची जारी की

यूनिक समय, लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने के लिए क्षेत्रीय और मोर्चा प्रभारियों की नई सूची जारी की है। पार्टी ने छह नेताओं को अलग–अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी है। दिलीप पटेल को अवध क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है। रामप्रताप सिंह चौहान को पश्चिम, गीता शाक्य को ब्रज, शंकर लोधी को कानपुर, रमेश सिंह को काशी और अभिजात मिश्रा को गोरखपुर क्षेत्र की जिम्मेदारी मिली है।

मोर्चा स्तर पर राजेश चौधरी को युवा मोर्चा, संजय राय को पिछड़ा मोर्चा, डॉ. धर्मेंद्र सिंह को अनुसूचित मोर्चा, कामेश्वर सिंह को महिला मोर्चा और डॉ. प्रियंका रावत को अनुसूचित जनजाति मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। देवेश कोरी को

दिलीप पटेल को अवध क्षेत्र की अहम जिम्मेदारी मिली

मोर्चों में भी पार्टी ने नए प्रभारी नियुक्त किए

अल्पसंख्यक और शंकर गिरी को किसान मोर्चा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गोविंद नारायण शुक्ला को मुख्यालय प्रभारी, नरेंद्र शर्मा को मीडिया प्रभारी और ब्रज बहादुर को विस्तारक योजना का संयोजक बनाया गया है। अर्चना मिश्रा को 'मन की बात' संयोजक और राहुल वाल्मीकि को सह–संयोजक की जिम्मेदारी मिली है।

आईआईटी दिल्ली छात्रों से बोले मोदी

आपके मन में कुछ और चल रहा होगा, मैं तो बाबा बागेश्वर नहीं हूं

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने छात्रों के भविष्य को लेकर चल रही चिंताओं पर हल्के-फुल्के अंदाज में बात की। उन्होंने कहा कि छात्रों के मन में आने वाले कल की तस्वीर जरूर होगी और मजाकिया अंदाज में बोले, मैं तो बाबा बागेश्वर नहीं हूं, लेकिन कुछ तो चलता होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि परिसर की दुनिया और बाहर की दुनिया अलग होती है। कॉलेज से निकलने के बाद विद्यार्थियों के सामने ऐसे सवाल आते हैं, जो अक्सर पढ़ाई के पाठ्यक्रम से बाहर होते हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि हर व्यक्ति का सपना और रास्ता अलग

है। कोई पहली नौकरी की तैयारी कर रहा होगा, कोई नए शहर में जाने की सोच रहा होगा, जबकि कुछ विद्यार्थी अपना स्टार्टअप शुरू करने या प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुटे होंगे।

मोदी ने विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि परिवारों की तरह उन्हें भी छात्रों की सफलता पर गर्व है। समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल, डायरेक्टर गोल्ड मेडल, शंकर दयाल शर्मा गोल्ड मेडल और परफेक्ट टेन गोल्ड मेडल सहित विभिन्न सम्मान प्रदान किए गए। प्रधानमंत्री ने छात्रों से कहा कि आगे की जिंदगी में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, ऐसे में उन्हें अपने शिक्षक, मित्र, मार्गदर्शक और सहयोगी कर्मचारियों को याद रखना चाहिए।

मन में चल रहे सवालों पर मोदी ने ली चुटकी

शिक्षकों और साथियों को कभी नहीं भूलने की दी सलाह

उन्होंने जाने से पहले कैंपस के लोगों से मिलकर आभार जताने की सलाह दी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने आईआईटी दिल्ली के सोनीपत परिसर में स्थापित 'परम प्रज्ञा' एआई आधारित उच्च क्षमता वाली सुपरकंप्यूटिंग सुविधा का उद्घाटन भी किया। इससे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आंकड़ा विज्ञान, उन्नत कंप्यूटिंग और शोध कार्यों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

विदेश में इलाज कराने की अनुमति को सुप्रीम कोर्ट पहुंचे अभिषेक

यूनिक समय, नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति नहीं मिलने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट के पांच अगस्त के आदेश को चुनौती दी है। हाईकोर्ट ने उनकी विदेश यात्रा की अनुमति संबंधी याचिका खारिज कर दी थी।

हाईकोर्ट ने कहा था कि अभिषेक बनर्जी कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में गठित मेडिकल बोर्ड के सामने अपनी स्वास्थ्य स्थिति की जांच कराने के लिए तैयार नहीं थे। अदालत के अनुसार, विशेषज्ञों की राय मिलने के बाद ही यह तय किया जा सकता था कि विदेश जाकर इलाज की वास्तव में जरूरत है या नहीं। बनर्जी की ओर से मेडिकल बोर्ड के सामने पेश होने से इनकार को हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करने का आधार बनाया।

इससे पहले तीन अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को मामले पर एक सप्ताह में सुनवाई करने को कहा था। मामला जांच के दौरान विदेश यात्रा की

हाईकोर्ट ने मेडिकल बोर्ड जांच पर जताई आपत्ति

आंखों के इलाज के लिए विदेश जाना चाहते हैं अभिषेक

अनुमति से जुड़ी शर्तों से संबंधित है। हाईकोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को छह अक्टूबर तक अंतरिम सुरक्षा भी दी है और जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया है। अब सुप्रीम कोर्ट में उनकी याचिका पर सुनवाई से उन्हें राहत मिलने की उम्मीद है।

घर में घुसे सांप के काटने से मां-बेटे की मौत

सोते समय दोनों को जहरीले सांपों ने काटा

पिता और डेढ़ वर्षीय बेटी बाल-बाल बचे

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के गजपति जिले में जहरीले सांपों के डसने से मां और उसके सात वर्षीय बेटे की मौत हो गई। घटना रायगढ़ा ब्लॉक की जालंग पंचायत के कदमाताल गांव की बताई गई है। मृतकों की पहचान ललिता रैत और उनके बेटे अमित कुमार रैत के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात अजय कुमार रैत अपनी पत्नी ललिता, सात वर्षीय बेटे अमित और करीब डेढ़ वर्षीय बेटी के साथ घर में सो रहे थे। इसी दौरान दो जहरीले सांप घर में घुस आए। परिवार के लोग नींद में थे, तभी सांपों ने ललिता और अमित के हाथ में डंस लिया।

सांप के डसने के बाद मां-बेटे की चीख सुनकर अजय कुमार की नींद खुली। घर में सांप देखकर परिवार में अफरा-तफरी मच गई। दोनों को तत्काल रायगढ़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उन्हें पारलाखेमुंडी जिला मुख्यालय अस्पताल रेफर किया। वहां उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया।

घटना में अजय कुमार और उनकी डेढ़ वर्षीय बेटी सुरक्षित हैं। दोनों को सांप ने नहीं काटा। एक ही परिवार में मां और बेटे की मौत से गांव में शोक का माहौल है। घटना ने घरों में सोते समय जहरीले सांपों से बचाव और सावधानी की जरूरत को भी सामने ला दिया है।

जलभराव से दिल्ली में पार्किंग की दीवार ढही, कई गाड़ियां दबीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के देवली इलाके में भारी बारिश के बीच एक निजी पार्किंग की दीवार अचानक ढह गई। दीवार के मलबे में करीब आठ से दस कारें दब गईं और उन्हें भारी नुकसान हुआ। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी व्यक्ति के घायल होने या जान जाने की सूचना नहीं है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, इलाके में कई दिनों से जलभराव की समस्या बनी हुई थी। पार्किंग के पीछे सड़क और सीवर का काम चल रहा था। इसके लिए लेन की खुदाई की गई थी, जिसके कारण बारिश का पानी जमा हो गया। लगातार पानी भरने से दीवार कमजोर हुई और आखिरकार गिर गई।

निवासियों का आरोप है कि जलनिकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण समस्या गंभीर हुई। पार्किंग में वाहन खड़े करने वाले लोग करीब 1500 से 1800 रुपये मासिक शुल्क देते हैं।

मलबे में दबकर आठ से दस कारें क्षतिग्रस्त

खराब जलनिकासी को हादसे की प्रमुख वजह बताया

स्थानीय लोगों ने निगम व्यवस्था पर उठाए सवाल

उनका कहना है कि वर्षों से यहां पार्किंग के बावजूद ऐसी घटना पहली बार हुई है।

दिल्ली-एनसीआर में लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव और यातायात प्रभावित हुआ है। दिल्ली की कई सड़कें पानी से भर गई हैं। स्थानीय लोगों ने बारिश के दौरान सीवर और जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

उद्धव ने पीएम मोदी पर साधा निशाना मुलाकात को लेकर उठाए सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए एकनाथ शिंदे गुट के छह सांसदों से उनकी मुलाकात पर सवाल उठाए। मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री के पास प्रदर्शन कर रहे युवाओं से मिलने का समय नहीं है, लेकिन उनके शब्दों में 'गद्दारों' से मुलाकात के लिए वक्त है।

ठाकरे ने पूछा कि जब शिवसेना विवाद से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, तब शिंदे गुट के सांसदों से प्रधानमंत्री की मुलाकात का उद्देश्य क्या था। उन्होंने आशंका जताई कि कहीं इस मुलाकात के जरिए न्यायपालिका पर दबाव बनाने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा।

उद्धव ठाकरे ने हालिया युवा प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए सरकार पर युवाओं की समस्याओं से दूरी बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने देश की स्थिति को 'तूफान से पहले की शांति' बताया

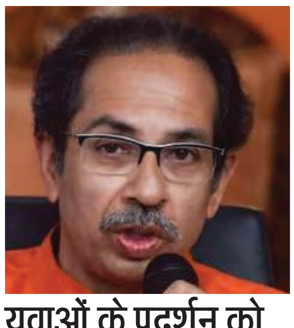

युवाओं के प्रदर्शन को लेकर भी सरकार पर हमला

और कहा कि सरकार को युवाओं से संवाद करना चाहिए।

उन्होंने प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया के जरिए संवाद करने पर भी तंज कसा। ठाकरे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की युवाओं से मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार को प्रदर्शनकारी छात्रों से सीधे बातचीत करनी चाहिए।

भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ से अमेरिका में बढ़ी चिंता

यूनिक समय, नई दिल्ली। रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर अमेरिका की ओर से 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने के प्रस्ताव ने भारत को लेकर चिंता बढ़ा दी है। अमेरिकी सीनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। हालांकि, इसे लागू करने से पहले अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की मंजूरी जरूरी होगी।

प्रस्ताव के तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से ऊर्जा खरीदने वाले प्रमुख देशों के सामान पर भारी शुल्क लगाने का अधिकार मिल सकता है। भारत और चीन इस सूची में प्रमुख देश माने जा रहे हैं। यदि ऐसा हुआ तो भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों पर असर पड़ने की आशंका है।

संभावित टैरिफ को लेकर अमेरिका में भी विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं। कुछ सांसदों का मानना है कि चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के

अमेरिकी सांसदों ने फैसले पर उठाए सवाल

बीच भारत पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाना अमेरिकी हितों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। भारत अमेरिका का महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है।

प्रस्ताव के समर्थकों का कहना है कि रूस से ऊर्जा खरीद जारी रहने से मॉस्को को आर्थिक लाभ मिलता है। अब प्रस्ताव अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में जाएगा, जहां 31 अगस्त को चर्चा होने की संभावना है। इसके बाद भारत समेत अन्य देशों पर संभावित शुल्क को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी।

जेपीएससी परीक्षा गड़बड़ी मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। झारखंड लोक सेवा आयोग की संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 में कथित गड़बड़ी का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सामाजिक कार्यकर्ता हरिशरण देवगन ने जनहित याचिका दाखिल कर परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं की जांच सीबीआई या स्वतंत्र जांच कमेटी से कराने की मांग की है। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने की मांग की गई है।

जेपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा 19 अप्रैल 2026 को आयोजित हुई थी, जबकि इसका परिणाम दो जुलाई को जारी किया गया। परिणाम के बाद एक सफल अभ्यर्थी की ओएमआर शीट की

कार्बन कॉपी सोशल मीडिया पर वायरल होने की बात सामने आई। आरोप लगाया गया कि अभ्यर्थी ने पहले पेपर में 100 में से केवल 48 प्रश्नों के उत्तर दिए, इसके बावजूद वह सफल घोषित हुआ।

मामला सामने आने के बाद जेपीएससी ने बताया कि इसकी जांच सीआईडी कर रही है। आयोग ने सफल अभ्यर्थियों से पेपर-1 और पेपर-2 की ओएमआर कार्बन कॉपी भी जमा कराने

सीबीआई जांच या स्वतंत्र कमेटी गठित करने की मांग

ओएमआर सहित सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखें

को कहा था। इसके लिए 30 जुलाई से पांच अगस्त तक समय निर्धारित किया गया था।

इधर, कथित गड़बड़ी के विरोध में रांची में छात्रों का प्रदर्शन भी जारी है। प्रदर्शन 25 जुलाई को बापू वाटिका से शुरू हुआ था। प्रदर्शनकारियों ने स्वतंत्र जांच और भर्ती प्रक्रिया में बदलाव की मांग उठाई है। अनशनकारी राहुल की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सदर अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

याचिका में ओएमआर स्कैनिंग, कोडिंग, मूल्यांकन और परिणाम तैयार करने की पूरी प्रक्रिया का स्वतंत्र ऑडिट कराने की मांग की गई है। साथ ही यह पता लगाने की मांग की है कि सही और गलत तरीके से परीक्षा पास करने वाले अभ्यर्थियों की पहचान साक्ष्यों के आधार पर हो सके।

याचिकाकर्ता ने ओएमआर शीट, कार्बन कॉपी, प्रश्नपत्र, उत्तर कुंजी, उपस्थिति पत्रक, बायोमेट्रिक रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज, परीक्षा केंद्रों की रिपोर्ट, स्कैनिंग रिकॉर्ड और परिणाम से संबंधित डिजिटल डेटा सहित सभी कागजी एवं इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का आदेश देने की भी मांग की।

वार्ड 13 की तीन कॉलोनियों के लोगों के प्रमाण पत्र अटके

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर पालिका परिषद के वार्ड–13 में बसी रघुनाथजी, बृजविहार और कृष्णाधाम कॉलोनी के सैकड़ों परिवारों के जरूरी दस्तावेज नहीं बन पा रहे हैं। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र न बनने से लोग सरकारी योजनाओं और बच्चों के प्रवेश से वंचित हो रहे हैं।

इस मामले को लेकर भाजपा जिला कोषाध्यक्ष-जिला उद्योग व्यापार मंडल

भाजपा नेता ने एसडीएम छाता से लगाई गुहार

के जिला अध्यक्ष कन्हैया लाल गोयल ने एसडीएम छाता को पत्र सौंपकर तत्काल समाधान की मांग की है। उन्होंने पत्र में लिखा कि पहले इन तीनों कॉलोनियों के निवासियों के आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र तहसील द्वारा बनाए जाते थे, लेकिन अब लेखपाल कोसीकलां इन कॉलोनियों के प्रमाण पत्र बनाने से मना कर रहे हैं। उनका कहना है कि ये कॉलोनियां उनके क्षेत्र में नहीं आती हैं। प्रमाण पत्र न बनने के कारण कॉलोनी वासियों को छात्रवृत्ति, राशन कार्ड, पेंशन और स्कूल–कॉलेज में दाखिले जैसी सरकारी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। लोग कई दिनों से तहसील के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा। उन्होंने एसडीएम से अनुरोध किया है कि उक्त तीनों कॉलोनियों को पूर्व की भांति कोसीकलां, तहसील क्षेत्र में ही रखा जाए और वहां के निवासियों के आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र बनवाने की उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग के लोग छोटे–छोटे प्रमाण पत्रों के लिए दर–दर भटक रहे हैं। प्रशासन को इस ओर तुरंत ध्यान देना चाहिए।

दोबारा अतिक्रमण करने पर दर्ज हुआ मुकदमा

समाधान दिवस में जन समस्याओं की सुनवाई करते एसपी ग्रामीण सुरेश चंद रावत, एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन थाने पर आयोजित समाधान दिवस में एसपी ग्रामीण और एडीएम प्रशासन ने शिकायतों की सुनवाई की। समाधान दिवस में कुल नौ शिकायते जन सुनवाई के लिए आई। अधिकारियों ने मौके पर तीन शिकायतों का निस्तारण किया।

गोवर्धन थाने में एसपी ग्रामीण और एडीएम प्रशासन ने सुनीं समस्या

एसपी ग्रामीण सुरेशचंद रावत और एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार ने गोवर्धन थाने में समाधान दिवस पर संयुक्त रूप से जन सुनवाई की। जन सुनवाई के दौरान जनता के लोगों की नौ शिकायते सुनवाई के लिए आई। सुनवाई के दौरान एक मामला ऐसा भी आया, जब पूर्व में राजस्व और पुलिस विभाग ने विधिक रुप से कब्जा दिला दिया था। उसके बाद दोबारा सीमांकन तोड़ कर अतिक्रमण कर लिया। इस मामले में अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। इसके अलावा तीन मामलों में दोनो पक्षों के बीच आपसी वार्ता के आधार फैसला करा दिया गया।

इसके अलवा शेष बचे मामलों के निस्तारण के लिए राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीमों का गठन किया गया। इसके साथ ही समयनुसार सभी समस्याओं का निष्पक्ष समाधान करने के निर्देश दिए गए।

गोपीनाथ मंदिर चोरी को लेकर ग्रामीणों ने थानाध्यक्ष से की मुलाकात

मंदिर में हुई चोरी के खुलासे को लेकर प्रभारी निरीक्षक से बात करते लोग।

यूनिक समय, शेरगढ़। कस्बा स्थित प्राचीन गोपीनाथ मंदिर में तीन दिन पूर्व हुई चोरी की घटना को लेकर शनिवार को कस्बेवासियों के प्रतिनिधिमंडल ने थाना प्रभारी निरीक्षक अजय किशोर से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मंदिर में हुई चोरी की घटना को लेकर पुलिस से जल्द कार्रवाई और घटना के खुलासे की मांग की।

कस्बेवासियों ने प्रभारी निरीक्षक से चोरी की घटना के संबंध में वार्ता करते हुए चोरों को जल्द पकड़ने और मंदिर से चोरी हुए सामान की बरामदगी की

जल्द खुलासे का मिला आश्वासन

मांग रखी। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन देते हुए कहा कि चोरी की घटना के खुलासे के लिए पुलिस की टीमें लगातार काम कर रही हैं। पुलिस द्वारा विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है, जल्द घटना का खुलासा किया जाएगा। मंदिर में हुई चोरी के बाद से नागरिकों में घटना को लेकर नाराजगी है, सभी को घटना के खुलासे का इंतजार है।

कोसीकलां रामलीला अध्यक्ष पद के लिए सरगर्मी तेज

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में श्री रामलीला संस्थान के अध्यक्ष पद को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। संभावित उम्मीदवार अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुटे हैं। नगर में बैठकों का दौर शुरू हो गया है। प्रबुद्ध नागरिकों और विभिन्न कमेटियों के बीच चर्चाओं का माहौल बन गया है। अध्यक्ष पद को लेकर नगर में चुनावी माहौल दिखने लगा है। पुराने और नए चेहरे अध्यक्ष पद की रेस में अपनी पकड़ बनाने में लगे हैं। सभी का कहना है कि वे रामलीला को इस बार और भव्य और व्यवस्थित तरीके से कराएंगे। नगर के विभिन्न मोहल्लों में गुप्त बैठकें शुरू हो गई हैं। दावेदार अपने समर्थकों के साथ रणनीति बना रहे हैं और संस्थान की आगामी बैठक में आवेदन देने की तैयारी कर रहे हैं। नगर के युवा और बुजुर्ग वर्ग मिलकर योग्य और सक्रिय अध्यक्ष चुनने की मांग कर रहे हैं। इंटरनेट मीडिया पर भी इसको लेकर चर्चा तेज है। संस्थान से जुड़े एक वरिष्ठ सदस्य ने बताया कि अध्यक्ष का चयन अनुभव, समाजसेवा और संगठन क्षमता के आधार पर किया जाएगा। बैठक में सभी पहलुओं पर विचार के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाएगा। अध्यक्ष पद को लेकर हो रही चर्चाओं से रामलीला से जुड़े कार्यकर्ताओं में उत्साह है।

यूनिक समय की खबर का असर

बिजली कर्मचारियों की सुरक्षा पर विभाग ने दिया ध्यान

यूनिक समय, शेरगढ़। कस्बे में बिजली लाइन पर बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के कार्य कराए जाने को लेकर प्रकाशित खबर का असर देखने को मिला है। यूनिक समय में समाचार प्रकाशित होने के बाद बिजली कार्य में जुटे कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था में सुधार दिखाई दिया।

समाचार प्रकाशन के बाद अब सामने आए वीडियो में बिजली कर्मचारी हेलमेट और सेफ्टी जैकेट पहनकर विद्युत उपकरणों पर कार्य करते नजर आ रहे हैं। कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल किए जाने से हादसे की आशंका को कम करने की दिशा में कदम उठता दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले शेरगढ़ में बिजली

शेरगढ़ के कर्मचारियों को काम के दौरान मिलेंगे सुरक्षा उपकरण

लाइन पर कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी का मामला सामने आया था।

कर्मचारियों के पास आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं होने को लेकर सवाल उठाए गए थे और संबंधित विभाग से सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की गई थी। खबर प्रकाशित होने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया और विभाग ने ठेकेदार को नोटिस जारी कर दिया था, काम दूसरे ठेकेदार को सौंप दिया।

किशोरी से सामूहिक दुराचार

यूनिक समय, गोवर्धन। थाना समाधान दिवस में एक परिवार ने नाबालिग किशोरी के साथ सामूहिक दुराचार करने वालों पर गोवर्धन पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने की शिकायत की। एसपी ग्रामीण ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई करने के आदेश दिए।

बताया गया कि एक परिवार ने समाधान दिवस में शिकायत की कि छह जुलाई को नाबालिग किशोरी को गांव के युवक बहला–फुसलाकर ले गए और बंधक बनाकर उसके साथ सामूहिक दुराचार किया।

रात में किसी तरह किशोरी उनके चंगुल से भाग कर घर आई और परिवार के लोगों को सारी बात बताई। परिवार के लोग थाना गोवर्धन रिपोर्ट करने के लिए आए, लेकिन पुलिस ने उनकी

एसपी ग्रामीण ने दिए अभियुक्तों की गिरफ्तारी के आदेश

रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। पीड़ित परिवार के बार–बार थाने आने के बाद जांच के बाद 16 जुलाई को इस मामले में रिपोर्ट दर्ज की। आरोप है कि पुलिस ने कई आरोपियों के नाम निकाल दिए। खुले आम घूमते आरोपी अब इस मामले में फैसला करने के लिए लगातार धमकियां दे रहे हैं। एसपीआरए ने तुरंत थाना प्रभारी निरीक्षक को अभियुक्तों को गिरफ्तार करने के आदेश दिए। पीड़ित परिवार ने एसपी ग्रामीण को धन्यवाद दिया।

भाजपा नेता पौनिया ने मंत्री बीएल वर्मा को जन्मदिन पर दी बधाई

यूनिक समय, कोसीकलां। भाजपा ओबीसी मोर्चा ब्रज क्षेत्र उपाध्यक्ष ने शनिवार को दिल्ली पहुंच कर केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा से उनके निवास पर मुलाकात कर जन्मदिन की बधाई-शुभकामनाएं दीं।

मुलाकात के दौरान भाजपा संगठन और क्षेत्रीय विकास को लेकर भी केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा से चर्चा हुई। पौनिया ने मंत्री जी के नेतृत्व और कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में पार्टी और मजबूत हो रही है। उनके जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है।

मंत्री ने भी इसके लिए उनका आभार व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि डॉ. पौनिया हमेशा पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बनाए रखने का काम करते हैं। इस मौके पर उनके साथ घनश्याम लोधी, बबलू लोधी, राहुल आर्य, योगेंद्र सिंह, भीम सिंह, राजेंद्र सिंह पटेल आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा को जन्मदिन पर फूलों का गुलदस्ता भेंट कर बधाई देते डा. अमर सिंह पौनिया।

श्री सिदेश्वर महादेव मंदिर पर शनिवार को भक्तों ने महाभिषेक

यूनिक समय, गोवर्धन। सावन के दूसरे शनिवार को गोवर्धन- सोंख रोड नगला अक्खा स्थित श्री सिदेश्वर महादेव मंदिर पर भक्तों ने बाबा भोलेनाथ की विशेष पूजा- अर्चना की।

इस मंदिर पर सावन के सोमवार में भगवान भोलेनाथ की पूजा- अर्चना की जाती है, जबकि सावन माह में शनिवार की अपनी अलग ही महिमा है। आज भक्तों ने अपने आराध्य सिदेश्वर भोलेनाथ पर विशेष पूजा- अर्चना की। शिव दास शतीश चंद्र शर्मा ने मुख्य यजमान नंदकिशोर शर्मा और उनके परिवार की शिव स्त्रोत महामर्त्युनजय मंत्र और आदि मंत्रों द्वारा विशेष पूजा आराधना कराई गयी। दूर दराज से आए भक्तों ने विशेष पूजा कर अपने को धन्य किया। सावन के महाभिषेक में श्री राधा मोहन शिक्षा सेवा समति के सदस्यों द्वारा रुद्राक्ष, महाभिषेक निरंतर कराया जाता है, जिसमे दूर दराज से भक्त भाग लेते हैं।

श्री सिदेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना करतीं श्रद्धालु।

बस स्टैंड नहीं, डग्गेमार बसों का बना अड्डा

यूकिन समय, कोसीकलां। गोवर्धन, बरसाना, नन्दगांव जाने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही के बीच नगर के बस स्टैंड का ये आलम है कि डग्गेमार वाहनों के कब्जे के कारण सरकारी बसों को खड़े होने तक की पर्याप्त जगह नहीं मिल पा रही है। इसके चलते सरकारी बसों में यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

दिल्ली–एनसीआर और उत्तर भारत से आने वाले अधिकांश श्रद्धालु कोसीकलां होकर नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन पहुंचने के लिए कोसीकलां बस स्टैंड से बस पकड़ते हैं। इसके चलते कोसीकलां बस स्टैंड पर यात्रियों

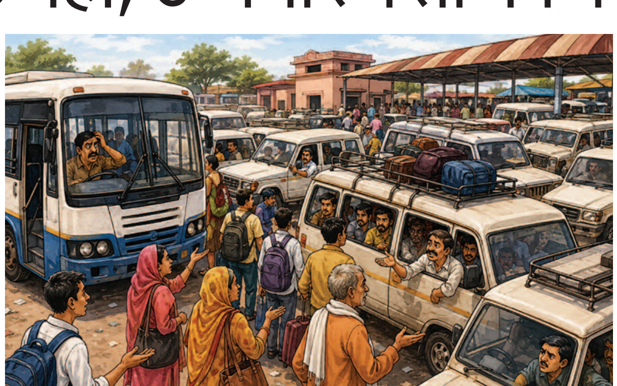

की भीड़ रहती है, लेकिन यहां किसी तरह की कोई व्यवस्था न होने के कारण बस स्टैंड पर डग्गेमार वाहनों का दबदबा बना हुआ है। करीब 70 डग्गेमार वाहन बस स्टैंड से गोवर्धन और राजस्थान रूट के लिए, खुलेआम सवारियां भरते हैं। इसके चलते सरकारी बसों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

अव्यवस्था: सरकारी बसों को नहीं मिल रही खड़े होने को जगह

बस स्टैंड के प्रबंधक जगदीश प्रसाद का कहना है कि डग्गेमार वाहनों के खिलाफ कई बार अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। स्थिति यह है कि शिकायतों के बावजूद अधिकारियों के ध्यान न देने के कारण सरकारी बसों का संचालन प्रभावित हो रहा है और यात्रियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

जिला अस्पताल में कल लगेगा रक्तदान शिविर

यूनिक समय, मथुरा। श्रीमदभगवत कथा आयोजन समिति और मां वैष्णो देवी मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में श्रावण मास में रक्तदान शिविर का आयोजन नौ अगस्त को महर्षि दयानंद जिला चिकित्सालय में प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक आयोजित किया जायेगा। रक्तदाताओं को रक्तवीर सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। समिति संस्थापक अमित भारद्वाज, मंडल के अध्यक्ष डॉ. अंशुमान गोयल महासचिव शशांक पाठक और ब्लड बैंक काउंसलर सुशीला शर्मा ने रक्तदाताओं से रक्तदान करने की अपील की है।